

RNI No:- DELHIN/2023/86499 **DCP Licensing Number:** F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com देश का पहला टांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

🔃 दिल्ली में भारत-ऑस्ट्रेलिया भागीदारी संगोष्ठी आयोजित

📭 एआई उपकरण कौशल विकास में क्रांति ला रहे हैं

📭 🎗 मेट्रो रेल परियोजना दिसंबर २०२७ तक पूरी होगा

बिना पूर्व सूचना बुराड़ी वाहन जांच शाखा से वाहनों को झूलझूली वाहन जांच शाखा में भेजने के लिए विरोध

वर्ष 02, अंक 239, नई दिल्ली । शुक्रवार, 08 नवम्बर 2024, मुल्य ₹ 5, पेज 8

दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा बुराड़ी वाहन जांच शाखा से बिना पूर्व सूचना प्रदान किए मंत्री परिवहन के विधान सभा क्षेत्र में चालित झूलझूली वाहन जांच शाखा में एक प्राइवेट कम्पनी को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से परिवर्तित करने के विरोध में उच्च न्यायालय दिल्ली में केस दर्ज किया और उपराज्यपाल से समय की मांग की





W.P.(C) 15136/2024, CM APPL. 63460/2024, CM APPL. 63461/2024 & CM APPL. 63462/2024

IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI

RASHTRIYA RAJDHANI KSHETRA AUTO TAXI TRANSPORT UNIONPetitioner Through: Mr. Sumit Kumar, Advocate

versus

GOVERNMENT OF NCT OF DELHI

...Respondent Ms. Harshita Nathrani, Mr. Through: Vedansh Vashisht and Mr. Arjun

Gupta, Advocates for Mr. Sameer Vashisht, ASC (Civil).

CORAM: HON'BLE MR. JUSTICE PRATEEK JALAN

ORDER 25.10.2024

The petitioner - Rashtriya Rajdhani Kshetra Auto Taxi Transport Union has filed this writ petition for the following reliefs:

"a) Issue of a writ of mandamus or any other appropriate writ, or writs in the nature of order or directions directing continuation of operation of commercial Vehicle Fitness certification at the Burari VIU for all class of commercial vehicle; And,

b) Issue a writ of mandamus or any other appropriate writ, or writs m the nature of order or directions Quashing the Decision of the Respondent State in transferring the operation of the Commercial Vehicle Fitness Operation from Burari VIU to Jhuljhuli VIU. And/or, c) Pass such order or orders as may be deemed fit and proper in the

facts and circumstances of the present case. Although it appears prima facie that the writ petition raises a policy

issue, learned counsel for the petitioner submits that the Vehicle

W.P.(C) 15136/2024

The Order is downloaded from the DHC Server on 07/11/2024 at 21:59:32



Inspection Unit at Jhuljhuli has a capacity of only 180 vehicles in a day, whereas the requirement is of close to 600 vehicles in a day.

Issue notice. Ms. Harshita Nathrani, learned counsel, accepts notice on behalf of the respondent.

Affidavit in response to the writ petition may be filed within four weeks from today. Rejoinder thereto, if any, be filed within two weeks thereafter.

List on 20.01.2025.

OCTOBER 25, 2024/MR

PRATEEK JALAN, J

		Listenin	g Post of L	ieutenant Gover	nor, Delhi	
r Grievance Namber	20240		Gri	evance Status		**
le No.	931217			OR E-MAIRO		Subret
once No	2024026101			Date of Grievance Contact Nos.	07/11/2024 (LandLine).9312170612(Mobile	4
SELVINES)	K K Chha	bra				7.6
any .	Online Entry by Citizen ::					
inner(Address	Delhi transport department Vehicle Insura Delhi transport department Vehicle Inspection Unit Burari Delhi					
i ip	vinodnegi1968@gmail.com					
over the address	महोदय,शिकायतकर्ता द्वारा दिनांक01/11/2024 को दिल्ली सरकार के जनशिकायत प्रकोष्ठ में 2024092777 शिकायत दर्ज कराई थी,जिसमें शिकायतकर्ता द्वारा बिना पूर्व सूचना/नोटिस के वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने के स्थान को अचानक बुराड़ी से झूल झूली शिफ्ट कर दिया था, पूरे नियम/कानून का मजाक बनाकर विभाग/सरकार द्वारा संबंधित मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में एक प्राइवेट कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए,सभी व्यवसायिक वाहन मालिकों को दिल्ली के अंतिम किनारे पर फिटनेस प्रमाण पत्र लेने के लिए मजबूर कर दिया है,और अब तो आज आवेदन करने पर 20 दिन बाद झूल झूली से ये पत्र लेने समय मिल रहा है Action Required : महोदय, शिकायतकर्ता द्वारा विशेष निवेदन है कि हमारे पदाधिकारी इस मामले पर महामहिम राज्यपाल महोदय/संबंधित अधिकारियों से एक बार निजी रूप में मिलना चाहते है,क्योंकि परिवहन आयुक्त, परिवहन उपायुक्त, एम एल ओ बुराड़ी और भी संबंधित अधिकारी कोई हमारी बात सुनने को तैयार नहीं,उम्मीद है ,आप हमे निराश नहीं करेंगे,और जल्दी हमे समय देंगे,हम आपके कार्यालय द्वारा लिए गए फैसले की प्रतिक्षा में रहेंगे					
					icle Insura De Unit Burari De	
Departmental U	ser	Locality Act	ion Taken	Status	Contact Details	Citizen Feedback
TRANSPORT DE	PARTMENT	BURAN		Under Process	Sh. Sunit Sehgal	-2+1
		-			Deputy Commissioner 20832760	
			Enter/View (Complainant's Rema	irks	

दिल्ली परिवहन निगम की बसों में ई.सी.एम. इनबिल्ट से बसों की स्पीड कंट्रोल फिर डाइवर कैसे ओवर स्पीड के लिए जिम्मेदार

संजय बाटल

नर्ड दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम के सखदेव विहार डिपो के द्वारा पी.जी.एम.एस. के द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में बताया की दिल्ली परिवहन निगम की सभी बसों में स्पीड गवर्नर नहीं लगा हुआ क्योंकि इन बसों में स्पीड कंट्रोल इनबिल्ट ई.सी.एम.द्वारा किया जाता है। इनबिल्ट ई.सी.एम. के द्वारा स्पीड कंटोल सिर्फ कंप्यटर प्रोग्राम के द्वारा किया जाता है और जिस स्पीड को ई.सी.एम.में कंप्यूटर प्रोग्राम से सेट किया जाता है बस उससे अधिक चल

ही नहीं सकती फिर बस की ओवर स्पीड के लिए डाइवर कैसे जिम्मेदार हो सकता है। ई.सी.एम.को कंप्यटर प्रोग्राम से सिर्फ वहीं सेट कर सकता है जिसके पास प्रोग्राम उपलब्ध होता है और यह उपलब्ध होता है सिर्फ ई.सी.एम. निर्माता या उसके डीलर के पास। दिल्ली परिवहन निगम में यह कंप्यूटर प्रोग्राम सिर्फ निगम की वर्कशॉप में उपलब्ध हो सकता है फिर बसों की स्पीड लिमिट से अधिक कैसे स्पीड लिमिट का ई.सी.एम.स्पीड प्रोग्राम से अगर सेट की गई है तो डाइवर द्वारा बस ओवर

स्पीड चलाई कैसे जा सकती है वर्कशॉप की गलती को डाइवर पर डालने का तात्पर्य क्यों जैसा की इस जवाब के 5 नम्बर पर कहा गया है।

दिल्ली सरकार, परिवहन मंत्री आयक्त दिल्ली परिवहन विभाग और एम.डी. दिल्ली परिवहन निगम वर्कशॉप में जिसके अधिकृत स्पीड लिमिट का जिम्मा सौंपा गया है उन पर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही के आदेश जारी करे क्योंकि यह मामला जनता की सुरक्षा के साथ उच्चतम न्यायालय के आदेश और मोटर वाहन नियम के तहत आवश्यक है।

दिल्ली परिवहन निगम सुखदेव विहार डिपो नई दिल्ली - 25

सं :- स्विविव्हिव/हियो प्रबंधक/2023/ 1 62 5

दिनांक:- 17 - 08 - 2023

विषय P.G.C. ID. No. 2023016269 Dated 09/08/2023

सुखदेव विहार डिपो डायरी सं 2098 दिनांक 14/08/2023, के द्वारा प्राप्त हुआ जिसमें श्री संजय कुमार के द्वारा पब्लिक ग्रीवांस मोनिटरिंग के माध्यम से प्राप्त परिवेदना में निम्न प्रश्नों पूछे गये

> विल्ली परिवहन निगम में जो वर्तमान में बसे चलाई जा रही है वो AMC के T-4 अनुबंध में परिचालित है कभी-2 कुछ बसों में ज्यादा काम होने या वस एक्सीडेंट सेक्शन में कार्य अधिक होने के कारण बसों को ठीक करने में ज्यादा समय लग जाता है परन्तु ऐसा लगातार नहीं होता है और कई बार चालक बस मिलने पर भी जानबूझ ऋर बस को डिपो में लेट करते है जिसमे चालक स्वयं जिम्मेवार होता है।

है परन्तु चालक जितने किलोमीटर बस चलाता है उसी हिसाब से बेतन दिया दिल्ली परिवहन निगम में AMC के तहत साय 18:00 बजे तक का समय बस

डिपो प्रशासन के द्वारा ड्यूटी ओके करने का कोई भी दबाब चालक पर नहीं होता

इस यूनिट की सभी बसों में स्पीड गवर्नर नही है | परन्तु ECM में inbuit

speed गवर्नर लगा होता है | जिससे सभी बसों की गति सीमा निर्धारित की गई इस यूनिट की सभी बसों में speed governor inbuit होने के कारण वर्कशॉप द्वारा सभी बसों की गृति सीमा निर्धारित की गई है। इसलिए अगर ड्राईवर का चालान आता है क्रों ये ड्राईवर की गलती है जोकि निर्धारित गति से ज्यादा पर

DTC, S.V.D

पता:- G-110 गंगा विहार गली न० 15,

विल्ली - 110094 प्रति- उप मुख्य महा प्रबंधक (द०)

नोडल ऑफिसर (पी०जी०सी०) म्०

दिल्ली में हुआ फिर निभेया जैसा दुष्कर्म, मुख्य रूप से कौन जिम्मेदार ?

दिल्ली में दबारा ऐसा दष्कर्म सम्भव ना हो इसके लिए गह सचिव के नेतृत्व में बनी कमेटी और ऊषा मेहरा जस्टिस उच्च न्यायालय दिल्ली द्वारा कई दिशा निर्देश जारी किए गए थे जिनमें सबसे प्रमुख था दिल्ली में चल रहे व्यवसायिक गतिविधियों में चल रहे वाहनों में जीपीएस/ जीपीआरएस/वीएलटीडी संयंत्रके साथकार्यशील पैनिक बटन का तत्काल प्रभाव से लगना। दिल्ली परिवहन विभाग के आला अधिकारियों ने गह मंत्रालय की आंखों में धुल झोंकने और इस निर्देश से भारी भरकम राजस्व वसूली और बड़ी कंपनियों को फायदा पहुंचाने का सिर्फ काम किया। सार्वजनिक सेवा के वाहनों में जीपीएस जीपीआरएस वीएलटीडी संयंत्र तो स्थापित करवा दिए और उनके उसके संचालन के नाम से फ़ीस भी बटोरने लगे पर आज की तारीख तक भी पैनिक बटन कंटोल सेंटर शरु नहीं किया। आपकी

जानकारी के लिए बता दे दिल्ली परिवहन विभाग दारा हो साल से भी अधिक समय बीत चका है इस सेंटर को बनाने के लिए भारत सरकार से पैसे लिए। दिल्ली के तत्कालीन परिवहन आयुक्त एवम्पूर्व में इनसे पहले रहे आयुक्त और विशेष परिवहन आयुक्त शहजाद आलम उस सैंटर के आज तक शुरु नहीं होने के मुख्य कारक हैं। आज दिल्ली में सार्वजनिक सेवा प्रदान करने वालों के लिए यह सबसे दखद बात है की उनके तरफ से इस तरह के दष्कर्मों को रोकने के प्रति अपना पूर्ण दायित्व निभा रहे है और फिर भी उनके नाम पर यह कलंक। दिल्ली को इस प्रकार से कलंकित करवाने के लिए जिन अधिकारियों का हाथ है उनको सजा मिलना अति आवश्यक है जो महिला सरक्षा की जगह राजस्व इजाफा की सोच रखती हैं और न्याय प्रणाली के साथ प्रशाशन की आंखों में धुल झोंकने के कृत्य में शामिल रहते हैं। आटो में जीपीएस ट्रेकिंग बन्द करवाने वाले अधिकारी भी यह ही है।





हिंदुस्तान टाइम्स में ७ नवम्बर को छपी खबर "परिवहन विभाग" के बेड़े में शामिल होंगी नई बसें का अर्थ क्या परिवहन निगम का कार्य समाप्त और निगम का कार्य अब करेगा विभाग

संजय बाटल

नई दिल्ली।दिल्ली में जनता की जरूरत के अनुसार सार्वजनिक सवारी सेवा उपलब्ध करवाने के कार्य के लिए परिवहन निगम का गठन किया गया था पर उच्चतम न्यायालय द्वारा दिल्ली में परिवहन निगम की हडताल से दिल्ली की जनता को आई परेशानी दुबारा नहीं हो के प्रति दिल्ली में जरूरत के अनुसार सार्वजनिक सवारी सेवा के लिए 40% वाहनों को प्राइवेट ऑपरेटर्स से चलवाने का दिशा निर्देश जारी किया था। इसी आधार पर दिल्ली में 2010 तक सार्वजनिक सवारी सेवा में वाहनों को चलवाया जा रहा था पर दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद सरकार/विभाग द्वारा परिवहन निगम को एक भी नई बस खरीदने नहीं दी और भारत सरकार द्वारा भी दिल्ली को जो सार्वजनिक सवारी सेवा उपलब्ध करवाने के लिए इलैक्ट्रिक बसों के लिए सब्सिडी प्राप्त हुई उससे भी दिल्ली परिवहन निगम के लिए बसे नहीं लेने दी। आज स्थिति यह है की दिल्ली परिवहन निगम अपनी समय सीमा समाप्त बसों से ही सेवा प्रदान करने में लगी है। यह समय सीमा समाप्त बसे भी अगले

वर्ष मार्च में स्क्रैप हो जाएगी। अर्थात दिल्ली परिवहन निगम के पास जनता को सार्वजनिक सवारी सेवा उपलब्ध करवाने के एक भा बस नहीं बचेगी यानी निगम जिस उद्देश्य के लिए गठित किया गया था वह रहेगा ही नहीं। *इसी बात को हिंदस्तान टाइम्स के ७ नवम्बर के अंक में खबर में प्रकाशित किया गया है की परिवहन विभाग के बेडे में शामिल होंगी नई बसें अब सवाल यह उठता हैकी अरबों-खरबों रुपएकी जमीन जायदाद जो दिल्ली परिवहन निगम के नाम पर है उस पर किसका कब्जा होगा।दिल्ली सरकार या दिल्ली परिवहन निगम का क़ानून के अन्तर्गत तो किसी स्वतंत्र निकाय की जमीन जायदाद पर कोई (राज्य सरकार/ सरकारी विभाग) कब्जा नहीं कर सकता और

दिल्ली में दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा या दिल्ली सरकार द्वारा क्या किया जा सकता है इसकी तो उम्मीद कोई भी नहीं कर सकता। कही दिल्ली परिवहन निगम की बेशकीमती जमीन जायदाद को हडपने के उद्देश्य से ही दिल्ली परिवहन निगम को ना ही बस खरीदने दी और ना ही कोई कर्मचारी / अधिकारी लेने दिया।

ना ही हडप सकता है।

हिंदुस्तान टाइम्स दिल्ली 07/11/2024

परिवहन विभाग के बेड़े में शामिल होंगी नई ई-बसें

परिवहन विभाग के बेडे में जल्द ही और इलेक्ट्रिक बसें शामिल हो सकती हैं। इसके लिए कई डीटीसी के कई अन्य डिपो और वर्कशॉप में विद्युतीकरण का काम कराया जा रहा है। दिल्ली सरकार की ओर से 2025 तक ई-बसों की संख्या 10 हजार से ज्यादा करने का लक्ष्य तय है। फिलहाल बेड़े में दो हजार ई-बसें शामिल हैं।

डीटीसी की ओर से द्वारका सेक्टर-

श्रीनिवास पुरी डिपो, आंबेडकर नगर डिपो, केशोपुर डिपो, रोहिणी-4 डिपो नांगलोई डिपों में विद्युतीकरण का काम कराया जा रहा है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पुरी की जा रही है। ऐसे में दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले इलेक्ट्रिक बसों की नई खेप सड़कों पर उतारी ज सकती है। अधिकारियों का कहना है कि डिपो में काम दो से तीन महीनों में पुरा हो जाएगा। जैसे-जैसे कंपनी की ओर से बसों की आपूर्ति की जाएगी, वैसे ही उन्हें डिपो को आवंटित कर संचालन प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

सतपाल भाटी बने अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष



परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा।स्थानीय सेक्टर 69 ट्रांसपोर्ट नगर स्थित अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन कार्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष आर के शर्मा की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई जिसमें सर्वसम्मति से सतपाल भाटी को उत्तर प्रदेश अध्यक्ष तथा संजय शर्मा को नोएडा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सतपाल भाटी व नोएडा अध्यक्ष संजय शर्मा ने अपनी नियक्ति पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी का धन्यवाद करते हुए

बताया कि हम पूरी मेहनत और ईमानदारी से ट्रांसपोर्ट बिरादरी की भलाई के लिए काम करते रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष आर के शर्मा ने बताया कि 27,28 नवंबर को राजा राममोहन राय ऑडिटोरियम दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन के प्रति एनसीआर के ट्रांसपोर्टरों में बड़ा उत्साह है तथा देश के सभी प्रदेशों से एबीटीए एवं दूसरे संगठनों के पदाधिकारी भी शामिल होंगें। राष्ट्रीय अधिवेशन में टांसपोर्ट आयोग के गठन. ग्रीन टैक्स समाप्त एवं टोल टैक्स कम एवं नियंत्रित करने लिए सरकार से मांग के लिए

ठोस रणनीति तैयार की जाएगी। राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल भारद्वाज ने बताया की राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए सारी तैयारियां परी कर ली गई है मख्य अतिथि के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी को पत्र लिखा हुआ है उनके जवाब का इंतजार है इस अवसर पर केंद्रीय कार्य कार्यालय मंत्री अशोक कुमार, राष्ट्रीय मंत्री सौरभ गुप्ता, सुरेश कुमार, दयानंद, राम मेहर शर्मा, संजय सैनी, आनंद शर्मा, प्रदीप यादव, प्रमोद यादव, रविंदर, अनिल कुमार,अशोक चौधरी आदि उपस्थित थे।

भगवान शंकर भी देवी पार्वती के प्रेम व निष्ठा जानकर प्रसन्न हो उठे थे

इधर जब सप्तऋषियों ने देखा, कि देवी पार्वती के प्रेम, निष्ठा व विश्वास में कहीं कोई कमी नहीं है, तो उनके भी मन में देवी पार्वती जी के प्रति भक्ति भावों ने जन्म ले लिया। वे भी सोचने लगे, कि गुरु के वचनों में अगर किसी की निष्ठा हो, तो देवी पार्वतीजी जैसी होनी चाहिए।

विगत अंक में हमने देखा, कि सप्तऋषियों ने देवी पार्वती जी के विश्वास व निष्ठा की हर प्रकार से परीक्षा ली। परिणाम में यही प्राप्त हुआ, कि देवी पार्वती जी से बढकर, भगवान शिव की अनन्य उपासक इस संपूर्ण संसार में, दूसरा कोई नहीं था।

किंतु हमारे मन में एक प्रश्न उठता है, कि भगवान शंकर ने सप्तऋषियों को ऐसा क्यों कहा, कि जाकर पार्वती जी के विश्वास की परीक्षा लो। कारण यह था, कि भगवान शंकर क्योंकि स्वयं विश्वास के

'भवानीशंकरौ श्रद्धावश्वासरुपिणौ।'

अर्थात भवानी जी श्रद्धा हैं, एवं भोलेनाथ साक्षात विश्वास हैं। मैं उन्हें दोनों हाथ जोड़ कर प्रार्थना

इस सलोक में अब आप ही समझिये, कि भगवान शंकर जब स्वयं ही विश्वास का रुप हैं, तो उनके साथ किसको बैठने की अनुमति होनी

चाहिए? क्या उनके साथ श्रीसती जी, जो कि संदेह से सना मन रखती हैं, वे होनी चाहिए? अथवा भोलेनाथ पर अट्ट श्रद्धा व विश्वास रखने वाली देवी पार्वती जी होनी चाहिए। निःसंदेह देवी पार्वती जी ही उनके साथ शौभा पाती हैं। इसीलिए भगवान शंकर ने पहले ही यह सिनश्चित करना चाहा, कि जिसे मेरे लिए श्रीराम जी ने वधु रुप में चुना है, पहले मैं यह तो देख लूँ, कि मैं उसे पति रुप में पूर्ण रुप में स्वीकार हुँ भी, अथवा नहीं हुँ। क्या वे भी सती की भाँति मेरे ही वचनों पर तो संदेह तो नहीं करेगी? लेकिन देवी पार्वती जी ने अपने वचनों से यह कहकर, स्वयं प्रमाणित कर दिया, कि अब तो भले स्वयं शंकर भगवान भी मुझे अपनी हठ छोड़ने को कहें, तो भी मैं नारद जी के वचनों से पीछे नहीं हटुँगी-

www.newsparivahan.com

'जन्म कोटि लगि रगर हमारी। बरउँ संभु न त रहउँ कुआरी।। तजउँ न नारद कर उपदेसू। आपु कहहिं सत बार महेसू।।'

इधर जब सप्तऋषियों ने देखा, कि देवी पार्वती के प्रेम, निष्ठा व विश्वास में कहीं कोई कमी नहीं है, तो उनके भी मन में देवी पार्वती जी के प्रति भक्ति भावों ने जन्म ले लिया। वे भी सोचने लगे, कि गुरु के

वचनों में अगर किसी की निष्ठा हो, तो देवी

पार्वतीजी जैसी होनी चाहिए। केवल गुरु के वचनों

के सहारे वे इतना कठिन तप करने निकल चली।



जबिक उन्हें इतना तो पहले ही बता दिया गया था,

के लिए घर तक नहीं है। वे बस पर्वत पर रहते हैं। बैठने के नाम पर एक सिला पर बिछाई गई मृगछाल

है।ऐसे में भी अगर पार्वतीजी उन्हें पाने के लिए, स्वयं के जीवन को ही दाँव पर लगाने को तत्पर हो उठी, तो यह महान कार्य तो केवल देवी पार्वती जी ही कर सकती हैं। फिर वे तो केवल इस जन्म की ही बात नहीं कर रहीं, बल्कि जन्मों-जन्मों तक इस व्रत का पालन करने की बात कर रही हैं। धन्य हैं पर्वतराज जिनके महलों में ऐसी महान शक्ति का उदय हुआ।

इधर देवी पार्वतीजी का भोलापन तो देखिए! वे मनियों को कह रही हैं, कि हे संतो ! मैं आपके पैर पड़ती हूं। आप अपने घरों को जाईये। क्योंकि बहुत देर हो चुकी है।

मृनियों ने जैसे ही देवी पार्वती जी के यह वचन सुनें, वे उनके चरणों में गिर गए, और बोले-

'तुम्हमाया भगवान सिव सकल गजतपितु

नाइ चरन सिर मुनि चले पुनि पुनि हरषत

अर्थात हे देवी! आप माया हैं और शिवजी भगवान हैं। आप दोनों समस्त जगत में माता पिता हैं। आपकी जय हो. आपकी जय हो। ऐसा कहकर

समस्त मुनि सिर नवाकर चल दिये। उन्होंने जाकर भगवान शंकर को सब समाचार दिये।भगवान शंकर देवी पार्वती जी का प्रेम व निष्ठा जानकर प्रसन्न हो उठे। मुनियों ने जाकर हिमवान को भी पार्वती जी के पास भेजा, कि वे जाकर उन्हें महलों में लिवा लायें। सप्तऋषि ब्रह्मलोक चले गए,

और भोलनाथ श्रीराम जी के ध्यान में लीन हो गये।

घर में चांदी का मोर पंख रखने से चमक जाएगी फूटी हुई किस्मत, कभी नहीं खाली होगी तिजोरी

वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसे नियम बताए गए हैं, जिनको अपनाने से व्यक्ति को शुभ परिणाम मिलते हैं। ठीक इसी तरह वास्तु के मुताबिक घर में चांदी का मोरपंख रखना चाहिए। इससे शुभ फल मिलते हैं।

नई दिल्ली। घर हो या फिर ऑफिस, इन सभी जगहों पर वास्तु नियमों का जरूर ध्यान रखना चाहिए। वास्तु नियमों का ध्यान रखने से घर-परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहता है। साथ ही परिवार के लोग तरक्की करते हैं। बता दें कि वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसे नियम बताए गए हैं, जिनको अपनाने से व्यक्ति को शुभ परिणाम मिलते हैं। ठीक इसी तरह वास्तु के मुताबिक घर में चांदी का मोरपंख

जानते हैं घर में चांदी का मोरपंख रखने से क्या फायदे होते हैं।

जरुरखें ये मूर्ति

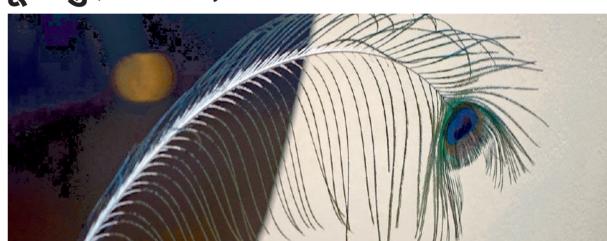
वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में चांदी से बना मोरपंख रखना बेहद शुभ माना जाता है। घर में चांदी का मोरपंख रखने से धन आकर्षित होता है और वास्तु दोष भी दूर होता है। लेकिन चांदी का मोरपंख नाचती हुई अवस्था में होना चाहिए। इससे धन लाभ के भी योग बनते हैं।

दूर होंगी कई समस्याएं

वास्तु शास्त्र के मुताबिक यदि जातक के विवाह में किसी तरह की परेशानी आ रही है। तो उसको अपने घर पर चांदी का मोरपंख जरूर रखना चाहिए। ऐसा करने से विवाह में आने वाली परेशानियां दर हो जाती है।वहीं घर में मोर की मर्ति रखने से दांपत्य जीवन खुशहाल रहता है और पति-पत्नी के बीच लड़ाई-झगड़ा नहीं होता है।

यहां रखें चांती का मोरपंख

अगर किसी जातक को अपने कारोबार में नकसान का सामना करना पड़ रहा है, तो आपको अपने ऑफिस या दुकान में चांदी का मोर पंख दक्षिण-पूर्व दिशा में रखें। आप चाहें तो इसको तिजोरी में भी रख सकते हैं। इस उपाय को करने से कारोबार में तरक्की करने के योग बनने लगते हैं। अगर आप चांदी का मोरपंख घर में रखना चाहते हैं: तो आप इसको ड्राइंग रूप बेहतर ऑप्शन है। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और घर में शांति का

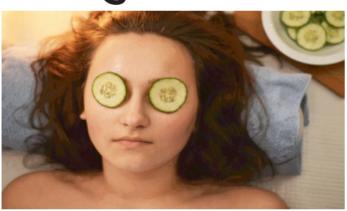


फेशियल हेयर ग्रोथ की वजह से खराब हो गया है चेहरे का लुक, तो ट्राई करें ये नुस्खा आज हम आपको एक ऐसा घरेल्

नुस्खा बताने जा रहे हैं, जो फेशियल हेयर को हटाने में मदद कर आपके फेस पर निखार लाने का काम करेगा। साथ ही अगर आपको व्हाइटहेड़स या ब्लैकहेड्स की समस्या है, तो यह उसमें भी फायदेमंद है।

नई दिल्ली। कुछ लोगों के हाथ-पैरों के साथ ही फेशियल हेयर की ग्रोथ भी बहुत तेजी से होती है। जिसके कारण फेस का लक खराब दिखने लगता है। ऐसे में कोई भी बार-बार पार्लर जाकर या फिर घर पर शेव नहीं कर सकता है। वहीं रोज-रोज ऐसा करना समय और पैसों दोनों की बर्बादी लगती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसा घरेलू नुस्खा बताने जा रहे हैं, जो फेशियल हेयर को हटाने में मदद कर आपके फेस पर निखार लाने का काम करेगा। साथ ही अगर आपको व्हाइटहेड्स या ब्लैकहेड्स की समस्या है, तो यह नुस्खा इसके लिए भी फायदेमंद साबित होगा। तो आइए जानते हैं इस घरेलू नुस्खे के बारे में...

क्यों आते हैं फेशियल हेयर



वैसे तो चेहरे पर अनचाहे बालों का आना कई वजहों से हो सकता है। जोकि महिलाओं और पुरुषों दोनों में अलग-अलग हो सकते हैं। एंड्रोजन नामक मेल हार्मीन का लेवल बढने की वजह से महिलाओं के फेस पर बाल आने लगते हैं। इसको पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंडोम कहा जाता है।

अगर अचानक से आपके फेस पर बाल बहुत बढ़ गए हैं, या फिर आपको कोई अन्य स्वास्थ्य समस्या है, तो आपको सबसे पहले डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।वहीं अगर आपको कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं है

आटा- 2 चम्मच

पानी- जरूरत अनुसार

और फेस पर निकले नॉर्मल बालों को साफ करना चाहती हैं, तो आप यह उपाय अपना सकती हैं।

फेशियल हेयर रिमुवल मास्क

कॉफी-1 चम्मच

पील ऑफ मास्क- 1 चम्मच

चेहरे से बाल हटाने का तरीका एक कटोरी में आटा, कॉफी, पानी और

पील ऑफ मास्क को बताई गई मात्रा अनुसार मिक्स कर लें। अब इसको अपने फेस पर 10 मिनट

के लिए अप्लाई करें । जब यह सुख जाए, तो फेस वॉश करने

की जगह हल्के हाथों से रब करने फेस फिर नॉर्मल पानी से फेस वॉश कर लें।

इस आसान तरीके से आपके फेस से की गंदगी भी साफ हो जाएगी।

फेस पर शेव करने के नकसान

फेस पर शेव करने से पहले आपको अपनी त्वचा के प्रकार और जरूरतों का ध्यान रखना चाहिए। जरूरी नहीं है कि अगर आपकी कोई दोस्त या बहन फेस पर रेजर करती हैं, या उनको सूट कर रहा है, तो आपको भी करेगा।

इससे फेस पर कट लगने और नुकसान होने का भी खतरा हो सकता है। इसलिए अगर आपको शेव करना नहीं आता है, या फिर आप बिगनर हैं तो अकेले न करें।

एमाजॉन पर इस स्मार्टफोन पर मिल रहा है जबरदस्त डिस्काउंट, फोन में मिलेगा 50MP कैमरा के साथ Q1 गेमिंग चिपसेट

अमेजन पर iQOO 12 5G फोन पर भारी डिस्काउंट मिल रहा है। आप सभी बैंक और एक्सचेंज डिस्काउंट के साथ इस फोन को 25 हजार रुपये से भी कम में अपना बना सकते है। iQOO 12 फिलहाल अमेजन पर 52,999 रुपये में लिस्टेड है। जिसे चुनिंदा क्रेडिट और डेबिट कार्ड से 3 हजार रुपये तक की छूट के साथ खरीदा जा सकता है।

नई दिल्ली। अगर आप भी फोन खरीदने की सोच रहे हैं तो ये फोन आपके बजट में हो सकता है। अमेजन पर iQOO 12 5G फोन पर भारी डिस्काउंट मिल रहा है। आप सभी बैंक और एक्सचेंज डिस्काउंट छोटे-छोटे बाल साफ हो जाएंगे और चेहरे के साथ इस फोन को 25 हजार रुपये से भी कम में अपना बना सकते है। यहां जानें iQOO 12 5G का ऑफर प्राइस और

iQOO 12 5G का ऑफर प्राइस iQOO 12 फिलहाल अमेजन पर

52.999 रुपये में लिस्टेड है। जिसे चनिंदा क्रेडिट और डेबिट कार्ड से 3 हजार रुपये तक की छूट के साथ खरीदा जा सकता है। साथ ही अमेजन पुराने फोन को एक्सचेंज करने पर 25,450 रुपये तक की छूट भी दे रहा है। इस प्रकार आप इन सभी बैंक डिस्काउंट और एक्सचेंज बोनस के साथ



अमेज़न से iQOO 12 स्मार्टफो को मात्र 24,549 रुपये में खरीद सकते हैं।

iQOO 12 5G की खसियत और

iQOO 12 में 6.78 इंच का AMOLED डिस्प्ले है जो 144Hz तक के वेरिएबल रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करता है। इसके अलावा, डिस्प्ले 1.5K रेजोल्यूशन और HDR10+ के साथ आता है। ये हैंडसेट क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 प्रोसेसर द्वारा संचालित है. और गेमिंग अनभव को बढाने

के लिए इसमें Q1 गेमिंग चिपसेट भी है।

फोटोग्राफी के लिए, iQOO 12 में ट्रिपल-रियर कैमरा सेटअप है, जिसमें 50MP का मुख्य कैमरा, 50MP का अल्टा-वाइड लेंस और 64MP का टेलीफोटो सेंसर शामिल है। ये टेलीफोटो सेंसर 3x ऑप्टिकल जम और 100x तक का डिजिटल जूम प्रदान करता है । आगे की तरफ, 16MP का सेल्फी शूटर है। अंत में, ये फोन 5000mAh की बैटरी पैक करता है जो 120W चार्जिंग को सपोर्ट करता है।

वेट लॉस की जर्नी में मेटाबॉलिक एडेप्टेशन बन रहा समस्या, तो ऐसे करें इससे डील

कुछ लोग डाइटिंग के जरिए भी वेट लॉस करना शुरू करते हैं, लेकिन कई बार इससे हमारे शरीर को फायदे की जगह नुकसान होने लगता है। इस वजह से वजन कम होने के बजाय रुक भी सकता

नर्ड दिल्ली। हम सभी वेट लॉस के लिए कई तरीके अपनाते हैं। कुछ लोग एक्सरसाइज रिजीम को अच्छा बनाते हैं, तो कई डाइट फॉलो कर वेट लॉस करते हैं। वजन कम करने के लिए हेल्दी और सेफ डाइट को फॉलो करना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि इससे आपके शरीर को सभी जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिल पाते हैं। हालांकि कुछ लोग डाइटिंग के जरिए भी वेट लॉस करना शुरू करते हैं, लेकिन कई बार इससे हमारे शरीर को फायदे की जगह नुकसान होने लगता

इस वजह से वजन कम होने के बजाय रुक भी सकता है। इस स्थिति को मोटाबोलिक एडेप्टेशन कहा जाता है। ऐसे में अगर आप भी वेट लॉस के लिए डायटिंग का सहारा ले रहे हैं और आप मेटाबोलिक एडेप्टेशन की समस्या में फंस गए हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप इस समस्या से कैसे बाहर निकल सकते हैं।

क्यों होता है मेटाबोलिक एडेप्टेशन बता दें कि डाइटिंग के समय मेटाबोलिक



एडेप्टेशन की स्थिति हो सकती है। जब हम डाइटिंग के दौरान कम खाना खाते हैं, तो इससे हमारे शरीर की एनर्जी नीड्स कम हो जाती है। जिसकी वजह से शरीर को कम खाने की जरूरत होती है। इससे बॉडी का मेटाबॉलिज्म कम हो जाता है। वहीं मेटाबॉलिज्म कम होने या रुकने की वजह से कम होना भी रूक जाता है।

डाइट से थोड़ा ब्रेकलें वजन कम होना रुकने का यह मतलब है कि आपके शरीर को आराम की जरूरत है। क्योंकि ऐसे में आपके शरीर में मेटाबॉलिज्म कम हो जाता है। मेटाबॉलिज्म को बुस्ट करने के लिए लाइफस्टाइल चेंज करने की जरूरत होती है। इसलिए 1-2 सप्ताह वेट लॉस की जर्नी पर काम न करें। अपने शरीर को रेस्ट दें और लाइफस्टाइल को नॉर्मल रखें। इसके बाद फिर 200-300 कैलोरी घटाने से शुरूआत करें।

चेंजकरें वर्कआउट रूटीन वेट लॉस जर्नी को दोबारा ठीक करने के लिए आपको अपने मेटाबॉलिज्म पर काम करना शुरू करें। इसकी वजह आपका वर्कआउट रूटीन भी हो सकता है। इसलिए वर्कआउट रूटीन को बदलने पर काम करें। अगर आप वेट लॉस के लिए कार्डियो करते हैं,

तो इसकी जगह पर लाइट एक्सरसाइज और योग करने की आदत बनाएं। कुछ ही दिनों में आपको अपने वेट में असर नजर आने लगेगा।

मेडिटेशन करें

भले ही आपको यह जानकर हैरानी होगी, लेकिन मेडिटेशन करने से भी आपका मेटाबॉलिज्म ठीक हो सकता है। मेडिटेशन करने से आपका स्ट्रेस लेवल कम होगा और इससे आपके शरीर और दिमाग दोनों ही रिलैक्स होंगे। इसलिए डेली मेडिटेशन की आदत जरूर डालें। इससे बॉडी के हार्मीन्स भी बैलेंस रहेंगे और वेट लॉस करना भी आसान होगा।

इस तरह से खाएंगे छुहारा तो एनर्जी से भर जाएगा शरीर का एक-एक अंग

जो लोग शारीरिक रूप से कमजोर होते हैं. उनको छहारे का सेवन करना चाहिए। कुछ ही दिनों में छुहारा पूरे शरीर की कमजोरी को पूरी तरह से समाप्त कर देगा। छुहारा को शहद के साथ खाने से शरीर की कमजोरी दूर होती है।

नई दिल्ली। खजूर की तरह छुहारा भी हमारे शरीर को ताकत देता हैं। बता दें कि छुहारा, खजूर का ही सुखा रूप होता है। लेकिन अगर आपको छहारा खाने का सही तरीका मालूम है, तो आपके शरीर का कोई भी अंग कमजोर नहीं होगा।ऐसे में जो लोग शारीरिक रूप से कमजोर होते हैं, उनको छुहारे का सेवन करना चाहिए। कुछ ही दिनों में छुहारा पूरे शरीर की कमजोरी को पूरी तरह से समाप्त कर देगा। अक्सर लोग छुहारा को दूध में भिगोकर खाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि छुहारा को किस चीज के साथ मिलाकर खाने से शरीर के एक-एक अंग में जान भर

बढ़ती है मांसपेशी छुहारे को शहद के साथ मिलाकर खाने से मांसपेशियां बढती हैं। वहीं यह दोनों खाद्य पदार्थ कैलोरी से भरपूर होते हैं। छुहारे के

अंदर खजूर की सारी ताकत पाई जाती है। खजूर में कार्ब्स, प्रोटीन, आयरन, फाइबर, कॉपर, जिंक और विटामिन बी होता है, जो वेट के लिए बेहद जरूरी होता

बता दें कि छुहारा और शहद दोनों में ही नेचुरल शुगर होता है। जो शरीर को एनर्जी देने का कान करते हैं। ऐसे में जब वर्कआउट के बाद या फिर कमजोरी महसूस होती है, तो इसका सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है।

डायँजेस्टिवसिस्टम

डायजेस्टिव सिस्टम को सुधारने वाले फाइबर की मात्रा छुहारा में अच्छी होती है। शहद में एंजाइम्स पाया जाता है, जो डाइजेशन में सुधार करते हैं। ऐसे में नियमित उपाय करने से कब्ज और अन्य डाइजेस्टिव समस्याएं दूर हो सकती हैं।

> इम्यनिटी शहद में एंटी-बैक्टीरियल और

एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने का काम करते हैं। साथ ही छहारा में विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को संक्रमण से बचाने में मददगार होते

दिल की बीमारी

छहारा में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स पाए जाते हैं और यह दिल की बीमारियों से भी बचाने में सहायक होते हैं। शहद में एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाया जाता है, जोकि गंदे कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करता है और ब्लड प्रेशर को कंटोल में रखता है।

हड्डियां होंगी मजबूत

छुहारा में विटामिन के, फॉस्फोरस और कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। वहीं हड्डियों की मजबूती के लिए इन पोषक तत्वों की जरूरत होती है। साथ ही शहद के अंदर भी बोन डेंसिटी बढ़ाने वाले मिनरल्स पाए जाते हैं।

कॉम्प्लीमेंट्री फायदे

स्किन और हेयर के लिए भी शहद और छुहारे का उपाय बेहद अच्छा माना जाता है। यह दोनों चीजें शरीर के अंगों को हेल्दी बनाकर उनकी मजबूती और ग्रोथ बढ़ाते हैं।

कार्यक्रम में उद्यमिता में नेतृत्व, संधारणीय वाणिज्य और

भागीदारों के साथ जुड़ने के अवसर प्रदान किए गए।

महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप को आगे बढ़ाने की चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कई पैनल चर्चाएँ शामिल हैं। महिला

उद्यमियों के नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक रूडेमो डेर का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें संभावित निवेशकों और

युवा महिलाओं को अधिक स्थिरता के लिए आत्म-देखभाल और वित्तीय स्वतंत्रता सिखाई जानी चाहिए - स्मृति ईरानी

सषमा रानी

नर्ड दिल्ली.: पर्व केंद्रीय मंत्री स्मित ईरानी ने आज अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में बियॉन्ड बैरियर 2024 के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया। इस वर्ष के कार्यक्रम का विषय ₹एक सतत भविष्य के लिए महिलाओं में निवेश₹ है, जो वैश्विक नेताओं, दूरदर्शी और परिवर्तनकर्ताओं को प्रौद्योगिकी में लैंगिक समानता, उद्यमिता में नेतृत्व, सतत वाणिज्य और सामाजिक प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाता है। अपने उद्घाटन भाषण में, स्मृति ईरानी ने कहा, ₹महिलाओं में एक-दूसरे को ऊपर उठाने की शक्ति है, और सबसे बड़ा उपहार जो हम दे सकते हैं वह है किसी अन्य महिला को चमकने में मदद करना। फिर भी यह आश्चर्यजनक क्यों होना चाहिए कि महिलाएँ सक्षम और निपण हैं ? हमें हर महिला के लिए जगह बनाने की जरूरत है - चाहे वह युवा हो या अनुभवी - उसे उसके योगदान के लिए स्वीकार किया जाना चाहिए, न कि केवल शीर्ष पर पहुँचने के लिए। सच्चा साहस केवल प्रसिद्धि या सफलता में नहीं है; हर महिला के लिए अपना रास्ता खुद तय करना जरूरी है और हमें उसका सम्मान करना चाहिए और उसका जश्न मनाना चाहिए।"

"जब हम रोल मॉडल की बात करते हैं, तो हम अक्सर बाहर की ओर देखते हैं, जबिक सबसे ज़्यादा प्रेरणादायी व्यक्ति घर पर ही होते हैं। हमारी माताएँ, दादी, दोस्त- उन्होंने पहचान की उम्मीद किए बिना कई चुनौतियों का सामना किया है। वे हमें दिखाते हैं कि असली ताकत महत्वाकांक्षा और देखभाल के बीच संतुलन बनाने में है। हमें युवा महिलाओं को आत्म-देखभाल को महत्व देना, अपनी स्वतंत्रता और भलाई में निवेश करना सिखाना चाहिए- सिर्फ़ अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए उन्हें मजबूत बनाने के लिए।

वित्तीय स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वास्थ्य को स्वार्थी नहीं बल्कि महिलाओं के लिए ज़्यादा स्थिरता और सुरक्षा पाने के तरीके के रूप में देखा जाना चाहिए।"

www.newsparivahan.com

"व्यवसाय में महिलाएँ एक अनूठा दृष्टिकोण लेकर आती हैं जो सभी के लिए अच्छा होता है। जब महिलाएँ नेतृत्व करती हैं, तो वे स्थिरता, शिक्षा और सामुदायिक स्वास्थ्य जैसी चीजों को प्राथमिकता देती हैं। यह सिर्फ़ सफलता के बारे में नहीं है; यह उन चीजों में फिर से निवेश करने के बारे में है जो मायने रखती हैं। हम पुराने विचारों को चुनौती देने और कुछ नया करने से नहीं डर सकते- भले ही लोग हम पर शक करें। हमें साहसिक कदम उठाने और व्यवसाय में एक-दूसरे का समर्थन करने की जरूरत है। जब महिलाएं सफल होती हैं, तो हम जानते हैं कि उस सफलता को अपने आस-पास के लोगों के उत्थान के लिए कैसे साझा किया जाए, और यह हमें बदलाव के शक्तिशाली एजेंट बनाता है।"

उन्होंने कहा "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं को केवल शोधकर्ता या शिक्षक नहीं होना चाहिए; उन्हें अपने विचारों को उद्यमशील उपक्रमों में बदलने, अपने नवाचारों को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य बनाने और व्यवसाय में अग्रणी बनने के लिए सशक्त बनाया जाना चाहिए।₹

इस कार्यक्रम में उद्यमिता में नेतृत्व, संधारणीय वाणिज्य और महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप को आगे बढ़ाने की चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कई पैनल चर्चाएँ शामिल हैं। महिला उद्यमियों के नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक रडेमो डेर का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें संभावित निवेशकों और भागीदारों के साथ जुड़ने के अवसर प्रदान किए

युक्के के संस्थापक डॉ. सेंथमारई गोकुलकृष्णन ने कहा, "अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता के बावजूद, महिला उद्यमियों

स्वार्था नहीं रक्षा पाने के लेकर आती



को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि फंडिंग और समर्थन की कमी। वैश्विक स्तर पर, 1 बिलियन से अधिक महिलाओं के पास वित्तीय सेवाओं तक पहुँच नहीं है, और महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों को \$300 बिलियन के फंडिंग गैप का सामना करना पड़ता है। वित्तीय सहायता और सलाह सहित सही संसाधन प्रदान करके, हम 2025 तक एक मिलियन महिला उद्यिमयों को सशक्त बना सकते हैं। इससे न केवल उन्हें सफल होने में मददि मिलेगी, बिल्क मजबूत समुदाय भी बनेंगे और वैश्विक आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा। ₹ फेडरल बैंक की कार्यकारी निदेशक शालिनी वारियर नेवित्तीय चनौतियों को संबोधित करते हुए कहा, ₹महिला उद्यिमयों को

अक्सर अपने व्यवसाय को शुरू करने और बढ़ाने के लिए आवश्यक पूंजी हासिल करने में कठिन संघर्ष का सामना करना पड़ता है। फेडरल बैंक में, हम महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए अनुकूलित वित्तीय उत्पादों की पेशकश करके उन बाधाओं को दूर करने में विश्वास करते हैं। अधिक सुलभ फंडिंग समाधान प्रदान करके, हम न केवल व्यवसायों को बढ़ने में मदद करते हैं बिल्क आर्थिक प्रगति को भी आगे बढ़ाते हैं। महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसाय हमारी अर्थव्यवस्था को बदलने के लिए तैयार हैं, और अब समय आ गया है कि हम सिक्रय रूप से उनका समर्थन करें। ₹ बियॉन्ड बैरियर्स 2024 कार्यक्रम महिला उद्यमियों के सामने आने वाली चनौतियों और

अवसरों को संबोधित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। इसने महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों को सशक्त बनाने के लिए अधिक वित्तीय सहायता, मार्गदर्शन और समावेशी नीतियों की आवश्यकता पर जोर दिया। जैसे-जैसे चर्चा आगे बढ़ी, यह स्पष्ट हो गया कि व्यवसाय में महिलाओं का समर्थन करना न केवल लैंगिक समानता के बारे में है, बिल्क सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अपार संभावनाओं को अनलॉक करने के बारे में भी है। निरंतर निवेश और प्रोत्साहन के साथ, महिला उद्यमी स्थायी प्रगति को आगे बढ़ाने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान देने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकती हैं।

आज का दिन विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया गया

संब्रमा राव

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के (7 नवम्बर को) विद्यालय में दाखिला लेने पर बुहस्पतिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध श्री अरबिंदो कॉलेज में अपने विद्यार्थियों के साथ हिन्दी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हंसराज सुमन ने आज के दिन को विद्यार्थी दिवस के रूप में एक सादा समारोह के रूप में बड़ी धूमधाम से मनाया और हर साल मनाने का प्रस्ताव पारित किया गया जिसे केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा । बता दें कि ७ नवम्बर सन 1900 को संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डा.भीमराव आंम्बेडकर जी का सतारा हाईस्कूल महाराष्ट्र मे पहली कक्षा मे नामांकन (दाखिला) हुआ था और वे पहली बार विद्यालय गये थे। इसलिए इस दिन को देशभर में उनके विद्यालय में दाखिला लेने पर विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को जिस दिन स्कल में प्रवेश लिया था उस दिन को यादगार बनाने के लिए ₹विद्यार्थी दिवस ₹ के रूप में मनाया जाता है । इस दिन को विद्यार्थी दिवस के रूप में घोषित कराने की मांग को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया जिसे केंद्र सरकार को जल्द ही पत्र लिखा जाएगा , जिससे प्रति वर्ष ₹विद्यार्थी दिवस ₹मनाने के लिए प्राथमिक विद्यालय से विश्वविद्यालय स्तर पर मनाया जाए । इस तरह के कार्यकर्मी आज की यवा पीढी उनसे ग्रहण कर जीवन में अपनाये। यह भी तय किया गया कि बाबा साहेब की जीवनी को देश के हर विद्यालयों में पढ़ाया जाना चाहिए ताकि आज की युवा पीढ़ी उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण कर जीवन में उतारे । इस अवसर पर कुछ छात्रों का कहना था कि भारत के आधुनिक चिंतक , विचारक व बहुजन नायकों को पाठ्यक्रमों के तहत पढ़ाया जाना चाहिए ताकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत छात्र उन्हें जाने व उनसे प्रेरणा लेकर जीवन में उतारे ।

विद्यार्थी दिवस के अवसर पर सभी छात्रों को बधाई देते हुए अपने संदेश में हिन्दी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हंसराज सुमन ने अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत की पहली महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले के



प्रयासों से विद्यालय खुले है । उनके द्वारा किए गए अथक प्रयासों के कारण ही बालिकाओं में शिक्षा का प्रचार - प्रसार फैला है । उन्होंने बताया कि एससी, एसटी में शिक्षा का प्रारम्भ ही बाबा साहेब के स्कूल में एडिमशन से हुआ है इसलिए इस दिन को बहुत महत्त्व माना गया है आगे चलकर शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए भारत के संविधान में प्रावधान किया गया। डॉ. सुमन ने कहा कि सरकार को चाहिए कि शिक्षा का अधिकार (कानून) लाकर इसे एससी, एसटी ,एसटी , ओबीसी के छात्रों की सभी स्तर पर फीस माफ और स्कॉलरशिप देकर पहली कक्षा से पीएचडी तक निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान सरकार की ओर से किया जाना चाहिए। डॉ.सुमन का कहना है कि ऐसा करने से आरक्षित श्रेणी के छात्रों को आरक्षण की आवश्यकता नहीं पडेगी और शिक्षा के क्षेत्र में वे किसी से पिछडेंगे नहीं। यह भी प्रस्ताव रखा कि शिक्षा में अग्रणीय कार्य करने वालों का सम्मान किया जाना चाहिए । इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए वे अपनी ओर से जल्द ही शिक्षाविद , साहित्यकारों , समाजसेवी , पत्रकारों को सम्मानित करने के लिए बैठक बुलाएंगे

डॉ. सुमन ने अपने संबोधन में छात्रों को बताया कि आज का दिन इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है, दरअसल 7 नवम्बर 1900 को डॉ . भीमराव अंबेडकर जी ने प्रतापसिंह हाई स्कूल राजवाड़ा चौक सतारा में पहली कक्षा में एडिमशन लिया था। उन्होंने इस स्कूल में 1904 तक पढ़ाई की। स्कूल में बाबा साहेब को जबरदस्त भेदभाव का सामना करना पड़ता था। स्कूल र्राजस्टर में 1914 क्रमांक पर बालक भीवा रामजी आम्बेडकर का नाम दर्ज है। जो आज भी स्कूल प्रशासन के पास सुरक्षित है। बाबा साहेब का स्कूल में एडिमशन एक क्रांतिकारी कदम बताया है यदि वे शिक्षित नहीं होते तो कैसे इस समाज की पीड़ा को महसूस कर संविधान में अधिकार दिलाते। इसलिए उन्होंने शिक्षा को शेरनी का दूध कहा है वे कहते हैं कि जो यह दूध पीयेगा वहीं दहाडेगा।

उन्होंने आगे यह भी बताया कि डॉ आंबेडकर स्कूल जाकर पहले खूद शिक्षित हुए उसके बाद उच्च शिक्षा अर्जित कर देश-विदेश में नाम कमाया। भारत का संविधान लिखकर उसमें एससी, एसटी व वंचित वर्गों के छात्रों के लिए शिक्षा का अधिकार दिलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने न केवल वंचित वर्गों के लिए संविधान में प्रावधान किया बल्कि महिलाओं के बहुत से अधिकार दिए हैं। डॉ. सुमन ने सरकार से मांग की है कि प्रति वर्ष 7 नवम्बर का दिन रहिवद्यार्थी दिवस रके रूप में मनाया जाए ताकि वंचित समाज के लोगों में शिक्षा का प्रचार- प्रसार हो सके और वे यह जान सके कि किन परिस्थितियों में रहकर बाबा साहेब ने पढ़ाई की । उन्होंने उनकी जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रमों में लगाए जाने की केंद्र सरकार से मांग की है । उन्होंने यह भी मांग रखी कि उन्हें उच्च शिक्षा के अंतर्गत स्पेशल एजुकेशन में पढ़ाया जाए ताकि उनके व्यक्तित्व व कृतित्व को लोग जान सके ।

इस अवसर पर सरकार को एक संदेश भेजा और कहा कि आज का दिन अनुसूचित जाति, अनसचित जनजाति के छात्रों के लिए तो महत्वपूर्ण है ही साथ ही डॉ आंबेडकर ने महिला शिक्षा पर भी जोर दिया है। उन्होंने महिलाओ की शिक्षा का पाठ माता सावित्रीबाई फुले से सीखा, इसीलिए उन्होंने महिलाओं की शिक्षा पर ज्यादा जोर दिया है और कहा है कि एक महिला पढती है तो पूरा परिवार पढ़ता है। यह भी प्रस्ताव रखा है कि प्रति वर्ष ७ नवम्बर को महिला शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाए ताकि शिक्षा का प्रचार प्रसार बढ़े और महिलाएं शिक्षित हो। डॉ.सुमन ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय में महिलाओं के कार्यक्रमों में माता सावित्री बाई फुले, माता रमाबाई ,झलकारी बाई आदि के विषय में जानकारी देने के लिए ऐसा कार्यक्रम

सूर्यास्त से आधे घंटे पहले गीता कॉलोनी घाट पर पहुंचा पानी, व्रतियों ने सड़क किया जाम; जल बोर्ड के खिलाफ की नारेबाजी

पूर्वी दिल्ली में छठ पूजा के लिए बनाए गए अस्थायी घाट पर शाम तक पानी नहीं पहुंचने से व्रतियों का गुस्सा फूट पड़ा। व्रतियों ने गीता कॉलोनी पुश्ता रोड जाम कर दिया और सरकार जल बोर्ड समेत कई विभागों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूर्यास्त से आधे घंटे पहले पानी घाट पर पहुंच सका लेकिन तब तक व्रती पूजा कर चुके थे।

पूर्वी दिल्ली। गीता कॉलोनी में चाचा नेहरू अस्पताल के पास बनाए गए अस्थायी घाट पर शाम तक पानी न पहुंचने पर व्रतियों का गुस्सा फूट पड़ा। व्रतियों व उनके परिवार के सदस्यों ने गीता कॉलोनी पुश्ता रोड जाम कर दिया और सरकार, जल बोर्ड समेत कई विभागों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोगों के बवाल के बाद सूर्यास्त से आधे घंटे पहले पानी घाट पर पहुंच सका। भगवान सूर्य की उपासना के लिए व्रती पानी में एक घंटे भी खड़े नहीं हो

जिला प्रशासन की ओर से गीता कॉलोनी में डीडीए की जमीन पर घाट बनाया गया था। यहां अलग-अलग सात कुंड बनाए गए थे। दोपहर में तीन कुंड में जल बोर्ड ने पानी भर दिया गया था, जबिक चार में शाम तक पानी नहीं पहुंचा। व्रति दोपहर में ही घाट पर पहुंचकर सारी तैयार कर चुके थे, उन्हें डर था कि पानी न आने पर उनकी पूजा अधूरी न रह जाए। वितयों ने गीता कॉलोनी रोड

का जाम किया

सूर्यास्त होने का समय करीब आ रहा था और पानी नहीं पहुंचा तो लोग अस्थायी घाट से बाहर निकले और विरोध करते हुए गीता कॉलोनी रोड का जाम किया। वह प्रदर्शन कर रहे थे, उसी दौरान वहां से एनएचएआई का एक पानी का टैंकर गुजर रहा था, टैंकर किसी साइट पर पानी लेकर जा

उनके घुटने तक पानी में नहीं

लोगों ने उस टैंकर को घेर लिया और जबरन घाट में ले गए और घाट में थोड़ा पानी भरवाया। बाद में दिल्ली जल बोर्ड का टैंकर पानी लेकर पहुंचा। लोगों ने आरोप लगाया कि घाट में बहुत कम पानी था। उनके घुटने तक पानी में नहीं डूब सके। वह ठीक तरह से भगवान सूर्य की पूजा नहीं कर सके। जल्दी-जल्दी उन्होंने सारी विधि पूरी की।

यमुना में छठ करने नहीं दी और अस्थायी घाट में पानी ही नहीं पहुंचा। यह पूर्वांचल के लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया है। दिल्ली जल बोर्ड व प्रशासन ने घाट की अनदेखी की। विभिन्न अधिकारियों को 20 से अधिक फोन किए गए, सिर्फ आश्वासन मिलता रहा। लोगों के सब्न का बांध टूटा और विरोध करने पर पानी आया। पहले कभी ऐसा नहीं हुआ। - राम किशोर साह, अध्यक्ष छठ पूजा समिति गीता कॉलोनी

गीता कॉलोनी घाट पर दोपहर से ही काफी संख्या में व्रति पूजा करने के लिए पहुंचने शुरू हो गए थे। शाम तक पानी घाट पर पहुंचा ही नहीं। दो टैंकर किसी दूसरे घाट पर जा रहे थे, विरोध कर रहे लोगों ने उन टैंकर को रोका और थोड़ा सा पानी गीता कालोनी के घाट में डलवाया। उसके बाद यहां इस घाट पर दूसरे टैंकर पानी लेकर पहुंचे। लोग ठीक तरह से पूजा नहीं कर सके। - संदीप कपूर, चेयरमैन शाहदरा दक्षिणी

सरकार ने जगह-जगह अस्थायी छठ घाट बनाए हैं। गीता कालोनी के घाट पर पानी के पहुंचने में थोड़ी देरी हुई, जिस टैंकर को यहां पानी लेकर आना था। वह टैंकर पहले दूसरे घाट को भरने गया था। जिस वजह से यह समस्या आई। पूजा से पहले पानी पहुंच गया था। -एसके बग्गा, कृष्णा नगर विधायक

यूपी मदरसा बोर्ड में पढ़ाया जाता है जियो और जीने दो सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकारा

सुषमा रार्न

दिल्ली।सुप्रीम कोर्ट ने यूपी में तालीम फरूग देने वाले देश प्रेम का पाठ पढ़ाने वाले मदरसों को सही मानते हुए उनके पक्ष में फैसला सुना कर तमाम मुसलमान का दिल जीत लिया। मदरसे वालों ने देश की सबसे बड़ी न्याय प्रणाली ,सुप्रीम कोर्ट, के न्याय का तहे दिल से श्क्रिया अदा किया है। दरअसल उत्तर प्रदेश के यूपी मदरसा बोर्ड को हाई कोर्ट इलाहाबाद ने असंवैधानिक करार देते हुए मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों, अभिभावकों और पढ़ाने वाले उस्तादों के परिवार का पालन पोषण करने में एक समस्या खड़ी कर दी थी। यूपी मदरसा बोर्ड ने इसकी अपील सुप्रीम कोर्ट में की थी। सप्रीम कोर्ट की चंद्रचूड़ वाली पीठ ने सुनवाई की और हाई कोर्ट के फैसले को गलत मानते हुए उसे पलट दिया।

चीफ जस्टिस ने इस पर ऐतिहासिक फैसला देते हुए यूपी मदरसा बोर्ड को शिक्षा क्षेत्र में करने वाले काम को सही माना। उन्होंने कहा कि मदरसों में दी जाने वाली शिक्षा में धर्मीनरपेक्षता का



उगलंघन नहीं होता है। धर्मीनरपेक्षता मतलब है जियो और जीने दो। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के द्वारा सुनाए गए इस फैसले से मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों संचालकों अभिभावकों और इंसाफ पसंद लोगों के चेहरे खिल उठे। सुप्रीम कोर्ट न्यायालय से जैसी अपेक्षा की जा रही थी वैसा ही हुआ चारों तरफ इस

फैसले की सराहना हो रही है। मौलाना अब्दुल्लाह कासमी में इस

फैसले को ऐतिहासिक बताया और कहा बच्चों को मजहबी देनी तालीम हासिल करने में यूपा मदरसा बोर्ड बहुत अच्छे से खिदमत अंजाम दे रहा है। ऑल इंडिया मीडिया क्लब के चेयरमेन डॉक्टर एम क्यू मलिक ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सही बताया इससे आम जनता का विश्वास भी मजबूत हुआ है। मुस्लिम समाज के लिए बच्चों शिक्षित होना बेहद जरूरी है। आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण बहुत से लोग अपने बच्चों को सही शिक्षा नहीं दिला पाते। दीनी तालीम के साथ-साथ दुनियावी तालीम का भी मदरसों में उचित प्रबंध होना चाहिए ताकि मदरसे से पढ़ने वाले स्टूडेंट भी मौलाना, उलेमा, मुफ्ती, के साथ-साथ डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, प्लेयर, और अच्छे बिजनेसमैन बने। उन्होंने मदरसा संचालकों से अपील की है कि अपने मदरसों को यूपी मदरसा बोर्ड से एफिलिएटिड कराऐं अगर किसी मदरसों की मान्यता नहीं है तो मान्यता काऐं। यूपी मदरसा बोर्ड आधुनिक शिक्षा पर ध्यान

दिल्ली में भारत-ऑस्ट्रेलिया भागीदारी संगोष्टी आयोजित

सुषमा रानी

बनाना चाहिए ।

नई दिल्ली। होटल ताज महल, नई दिल्ली में 'भारत-ऑस्ट्रेलिया भागीदारी' शीर्षक से एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें सड़क परिसंपत्ति प्रबंधन में दुनिया की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के माध्यम से बुनियादी ढांचे के प्रबंधन के नए तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिन्हें भारत की सड़कों और राजमार्गों पर लागू किया जा सकता है ताकि सर्वोत्तम परिसंपत्ति प्रबंधन परिणाम प्राप्त किए जा सकें।

इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय परिवहन अनुसंधान संगठन (एनटीआरओ), पूर्व में ऑस्ट्रेलियाई सड़क अनुसंधान बोर्ड (एआरआरबी) द्वारा भारतीय सड़क सर्वेक्षण और प्रबंधन प्राइवेट लिमिटेड (आईआरएसएम) के रसद समर्थन के साथ किया गया था।

एनटीआरओ एक ऑस्ट्रेलियाई सरकार के स्वामित्व वाला अनुसंधान संगठन है, जिसके पास परिवहन प्रौद्योगिकी, परिसंपत्ति प्रबंधन (सामग्री विज्ञान और रखरखाव सहित) और सड़क सुरक्षा में 64 वर्षों से अधिक की विशेषज्ञता है। आईआरएसएम, एनटीआरओ का भारतीय संयुक्त उद्यम भागीदार है, जिसकी स्थापना 2009 में हुई थी और यह देश में उन्नत सडक



अवसंरचना माप और मूल्यांकन शुरू करने वाली भारत की पहली कंपनी है। इस कार्यक्रम में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, एनएचएआई, सीआरआरआई, राज्य पीडब्ल्यूडी, ऑस्ट्रेलियाई व्यापार और निवेश आयोग (ऑस्ट्रेड), ऑस्ट्रेलियाई विदेश मामलों और व्यापार विभाग (डीएफएटी) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ निजी सलाहकारों और क्यूब हाईवेज और ऑस्ट्रेड जैसे निवेशकों ने भाग लिया। सेमिनार का नेतृत्व कर रहे एनटीआरओ के सीईओ श्री माइकल कैल्टाबियानो ने एनटीआरओ द्वारा विकसित और ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूएसए और यूरोपीय संघ के देशों में व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली सड़क परिसंपत्ति प्रबंधन पर अत्याधुनिक तकनीकों से श्रोताओं को परिचित कराया। सेमिनार का फोकस इंटेलिजेंट पेवमेंट असेसमेंट व्हीकल (आईपेव) पर था जिसे जल्द ही भारत में पेश किया जाना है। देश की 3 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति के समय पर रखरखाव पर जोर दिया गया ताकि समुदाय को बेहतर मूल्य दिया जा सके। इस वाहन में सतह और संरचनात्मक स्थिति दोनों के डेटा को एक ही बार में इकट्ठा करने की क्षमता है, जो तेज गित से यात्रा करता है। यह तकनीक सड़क बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में निजी निवेशकों को बहुमूल्य जानकारी प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो सूचित निवेश निर्णय लेने में सहायता करता है। एनटीआरओ के प्रमुख प्रौद्योगिकी प्रमुख श्री रिचर्ड विक्स ने दर्शकों को आई-पीएवीई की बारीकियों के बारे में बताया।

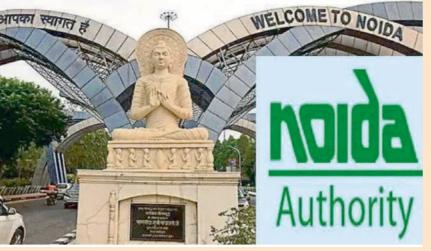
सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट परियोजना से जमीन वापस लेगा नोएडा प्राधिकरण, इसके बदले छोड़ देगा बिजलीघर की जगह

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा प्राधिकरण सूपरटेक एमराल्ड कोर्ट परियोजना से 350 वर्ग मीटर जमीन वापस लेगा। इसके बदले में प्राधिकरण सोसायटी में बिजली आपूर्ति के लिए ग्रीन बेल्ट पर बने बिजलीघर ट्रांसफार्मर और डीजी सेट की जगह छोड़ देगा। यह निर्णय एमराल्ड कोर्ट ऑनर्स रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अनुरोध पर लिया गया है। दरअसल ग्रीन बेल्ट के एक ओर सुपरटेक लिमिटेड का प्रोजेक्ट बना हुआ है।

गाजियाबाद।नोएडा।सेक्टर-93 एस्थित सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट परियोजना से 350 वर्ग मीटर जमीन नोएडा प्राधिकरण वापस लेगा। इसके एवज में प्राधिकरण सोसायटी में विद्युत आपूर्ति के लिए ग्रीन बेल्ट पर बने बिजलीघर व उससे जुड़े ट्रांसफार्मर और डीजी सेट की जगह

यह फैसला नोएडा प्राधिकरण की 215 वीं बोर्ड बैठक में एमराल्ड कोर्ट ऑनर्स रेजीडेंट



वेलफेयर एसोसिएशन 12 अगस्त 2023 को लिखित पत्र में अनुरोध के बाद लिया गया है, जिसमें एसोसिएशन की ओर से प्रार्थना पत्र के जरिये कहा गया था कि प्राधिकरण की ग्रीन बेल्ट की जितनी भूमि पर सुपरटेक लिमिटेड ने डीसी सेट स्थापित किया गया है, उस भूमि के समतुल्य भूमि एसोसिएशन ग्रीन बेल्ट सहारे अपनी भूमि में

www.newsparivahan.com

ग्रीन बेल्ट पर स्थापित डीजी सेट की भूमि को योजना की भूमि में परिवर्तित कर दिया जाए। साथ ही उनके द्वारा यह अवगत कराया गया है कि वर्तमान में स्थापित डीजी सेट के साथ बिजली घर

तथा टांसफार्मर स्थापित है। डीजी सेट बिजली घर से इंटीग्रेटेड है।

डीजी सेट को वर्तमान स्थल से विस्थापित किया जाना संभव नहीं है। डीजी सेट लगभग 350 वर्ग मीटर भिम पर स्थापित है। इस प्रार्थना पत्र पर बोर्ड में विस्तार से बोर्ड सदस्यों ने चर्चा की और निर्णय लिया कि ग्रीन बेल्ट की 350 वर्ग मीटर जगह को परियोजना के लिए छोड़ दिया

एसोसिएशन ग्रीन बेल्ट से सटी अन्य जगह पर 350 वर्ग मीटर जमीन देगा, जिसे 500 मीटर लंबी और 15 मीटर चौड़ी ग्रीन बेल्ट कुछ जगह

एसोसिएशन पोल फेंसिंग से कवर कराएगा। वही इसका रखरखाव भी करेगा। हालांकि इस फैसले के मिनट्स अभी जारी होने बाकी है।

ग्रीन बेल्ट के नीचे गैस पाइपलाइन बिछी ग्रप हाउसिंग भखंड संख्या-जीएच-04. सेक्टर-93 ए, आवंटी सुपरटेक लिमिटेड को आवंटित भूमि के पीछे 15 मीटर चौड़ी तथा लगभग 500 मीटर लंबी ग्रीन बेल्ट प्रस्तावित थी इस ग्रीन बेल्ट में गेल लिमिटेड द्वारा गैस की पाइपलाइन डाली गयी थी।

ग्रीन बेल्ट के एक ओर से सुपरटेक लिमिटेड का प्रोजेक्ट तथा दूसरी ओर एटीएस विलेज प्रोजेक्ट निर्मित है। एटीएस की ओर से अपने भृखंड को बाउंड्री वाल से अलग कर रखा है, लेकिन सुपरटेक लिमिटेड की ओर से ग्रीन बेल्ट की ओर बाउड़ी वाल का निर्माण नहीं किया गया

अतिक्रमण कराने वालों पर कार्रवाई

उच्चतम न्यायालय की ओर से 31 अगस्त 2021 को पारित आदेश के उपरांत शासन की ओर से गठित समिति ने इस बिंदु पर आपत्ति उठाई थी कि कहा गया कि सुपरटेक लिमिटेड द्वारा ग्रीन बेल्ट पर अतिक्रमण किया गया है, जिन कर्मियों के कार्यकाल में सुपरटेक लिमिटेड की ओर से ग्रीन बेल्ट में डीजी सेट स्थापित कर दिया गया था, उनके विरुद्ध कार्रवाई भी प्रचलित है।

AQI पहुंचा 400 पार, गले में खराश, आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कत; यूपी के इस शहर का बुरा हाल

उत्तर प्रदेश के लोनी में एक्युआई 400 के पार पहुंच गया है। इससे लोगों के गले में खराश और आंखों में जलन हो रही है। वहीं शहर के लोगों को सांस लेने में भी काफी दिक्कत हो रही है। उधर ऐसे में शहर के लोगों की चिंता भी बढ़ रही है। आगे विस्तार से पढ़िए पूरे शहर का हाल कैसा है।

साहिबाबाद। हक्मरानों की लापरवाही से आखिर लोनी की हवा गंभीर श्रेणी में पहुंच गई। बृहस्पतिवार को यहां का एक्यूआई 402 दर्ज किया। वहीं, जिले की हवा फिर से रेड जोन में

बता दें कि हवा खराब से बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई है। प्रदुषण के स्तर में सुधार के बजाय बढ़ोतरी हो रही है। दिनभर आसमान में धुंध छाई रही। लोगों के गले में खराश, सांस लेने में दिक्कत व आंखों में जलन हुई।

हवा बीते छह दिन से बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई थी

लोनी की हवा बीते छह दिन से बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई थी। वहीं, बीते दो दिन से जिले का एक्यूआई खराब श्रेणी में बना हुआ था। मंगलवार को 268 और बुधवार को 281 दर्ज

किया गया था। वहीं, उससे पहले सोमवार को बेहद खराब श्रेणी में 314 था।

लोगों की मुसीबत भी बढ़ गई वहीं, दो दिन खराब श्रेणी में रहने के बाद फिर से बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया है। लोग संबंधित विभाग के अधिकारियों से प्रदुषण का स्तर कम होने की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन

फिर से बढ़ने से लोगों की मुसीबत भी बढ़ गई है।

दरअसल, प्रदूषण का स्तर बढ़ने के कारण ग्रेप (ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान) के दूसरे चरण की पाबंदियां लागू हैं। ग्रेप के पहले चरण की पाबंदी 15 अक्टूबर व दूसरे चरण की पाबंदी 22 अक्टबर से लाग हुई थीं।

लोगों का कहना है कि यही स्थिति बनी रही तो हवा कभी गंभीर श्रेणी में पहुंच सकती है। इससे ग्रेप के तीसरे चरण की पाबंदी लागू हो जाएंगी। इससे मुसीबत और ज्यादा बढ़ जाएगी। वसुंधरा की हवा भी बेहद खराब श्रेणी

जिले में लोनी के बाद वसुंधरा क्षेत्र का वायु गुणवत्ता सुचकांक सबसे अधिक बना हुआ है। एक्यूआई 338 दर्ज किया गया। इन इलाकों के मुकाबले इंदिरापुरम व संजय नगर के लोगों को थोड़ी राहत है।

नौकरियों की बहार, यीडा में होगा 644 करोड़ का निवेश, पढ़िए क्या है प्लान

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA) क्षेत्र में मिंडा कार्पोरेशन 644.16 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। प्राधिकरण ने कंपनी को सेक्टर 24 में 22 एकड़ जमीन आवंटित की है। कंपनी दिसंबर से निर्माण कार्य शुरू कर देगी और प्रत्यक्ष रूप से 2270 लोगों को रोजगार मिलेगा। दिसंबर से कंपनी निर्माण कार्य शुरू कर देगी। आगे विस्तार से जानिए पूरी खबर।

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा। YEIDA मिंडा कारपोरेशन यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में 644.16 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। प्राधिकरण ने कंपनी को औद्योगिक इकाई लगाने के लिए सेक्टर 24 में 22 एकड़ जमीन आवंटित की है।

प्राधिकरण सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने बृहस्पतिवार को कंपनी के कारपोरेट मामलों के प्रमुख अमित जालान को आवंटन पत्र सौंपा। दिसंबर से कंपनी निर्माण कार्य शुरू कर देगी। इसमें प्रत्यक्ष रूप से 2270 लोगों को रोजगार

यमुना प्राधिकरण के सीईओ डा. अरुणवीर सिंह का कहना है कि मिंडा कारपोरेशन भारतीय फॉर्च्यून 500 कंपनी है। प्रदेश सरकार की नीति के तहत भारतीय फॉर्च्यन 500 कंपनी को सीधे भुखंड आवंटन का प्रविधान है।

इसके तहत कंपनी को सेक्टर 24 में 22 एकड़ जमीन आवंटन किया गया है। कंपनी दिसंबर से निर्माण कार्य शरू कर देगी। यीडा क्षेत्र में स्थापित होने वाली इकाई में इंग्निशन स्विच कम स्टीयरिंग लाक और मेकाट्रोनिक पुर्जे बनाए जाएंगे। 2270 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

प्राधिकरण क्षेत्र में अब तक कई फॉर्च्यून 500 कंपनियों को भूखंड आवंटन हुआ है। इसमें मुरुगप्पा समूह, सिफी व अमेरिकी फॉर्च्यून 500 कंपनी शामिल हैं।

मास्टर प्लान से बाहर जाकर खरीदी गई



मास्टर प्लान की सीमा को लांघ पर एक दशक पहले खरीदी गई जमीन पर यमुना प्राधिकरण अब सेक्टर विकसित करेगा। करोड़ों रुपये की जमीन प्राधिकरण के लिए अब सोना उगलेगी। अभी तक यह जमीन किसानों के कब्जे में है. लेकिन मास्टर प्लान 2041 में शामिल होने के बाद सेक्टरों के विकास का रास्ता साफ हो गया है। अभी यह जमीन टुकड़ों में अलग-अलग जगह बंटी है, इस पर सेक्टर विकसित करने के लिए प्राधिकरण को शेष जमीन क्रय करनी होगी

खरीद ली 700 एकड जमीन यमना प्राधिकरण के फेज एक में गौतमबुद्ध

नगर व बुलंदशहर के गांव अधिसूचित है। मास्टर प्लान 2021 में केवल 96 गांवों को ही शामिल किया गया था। लेकिन प्राधिकरण के तत्कालीन अफसरों ने मास्टर प्लान से बाहर जाकर दयानतपुर, आकलपुर, बैलाना आदि गांव में 700 एकड़ जमीन खरीद ली। लेकिन

छोटे-छोटे टुकड़ों में अलग-अलग जगह खरीदी गई यह जमीन प्राधिकरण के किसी काम की नहीं रही।

अतिरिक्त मुआवजा भी वितरित कर

मास्टर प्लान से बाहर होने और अलग-अलग जगह टकड़ों में होने के कारण प्राधिकरण इस जमीन पर आज तक कोई योजना नहीं निकाल पाया। जमीन पर किसानों का ही कब्जा बना रहा, जबकि प्राधिकरण की ओर से जमीन का मूल मुआवजा और 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा भी वितरित कर

प्राधिकरण वर्षों बाद अब इस जमीन को विकसित करेगा। पूर्व में क्रय की गई जमीन को प्राधिकरण ने मास्टर प्लान 2041 में शामिल कर लिया है। इस पर नए सेक्टर नियोजित किए गए हैं, जो जमीन अभी प्राधिकरण ने क्रय नहीं की है, उसे क्रय किया जाएगा ताकि समेकित रूप से सेक्टर विकसित करने में कोई अड़चन न हो।

गुरुग्राम में जमकर गरजा प्रशासन का बुलडोजर, कई अवैध कॉलोनियों को किया गया ध्वस्त

गरुग्राम में अवैध निर्माण पर प्रशासन की कार्रवाई जारी है। ताजा मामले में गुरुग्राम के भोंडसी और अलीपुर गांव में अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाया गया है। यहां कृषि भूमि पर बिना अनुमति के कॉलोनियां विकसित की जा रही थीं। तहसीलदार को रजिस्टी पर रोक लगाने के लिए व जमीन मालिकों और भूमाफिया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस को पत्र लिखा है।

नया गुरुग्राम। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के जिला नगर योजनाकार एनफोर्समेंट (डीटीपीई) ने भोंडसी और अलीपुर गांव में अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाए। इन कॉलोनियों को कृषि जमीन पर बिना मंजूरी के भूमाफिया द्वारा जमीन मालिकों के साथ मिलकर विकसित किया

विभाग की ओर से तहसीलदार को इन क्षेत्रों में रजिस्ट्री पर रोक लगाने के लिए पत्र लिखा गया है। साथ ही जमीन मालिकों और भूमाफिया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस को पत्र

अलीपुर में तीन अवैध कॉलोनियां ध्वस्त डीटीपीई मनीष यादव के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान में सबसे पहले दस्ते ने अलीपुर का रुख किया। जहां सात एकड़ में तीन अवैध कॉलोनियों का निर्माण कार्य चल रहा था। टीम ने एक निर्माणाधीन मकान, 400 मीटर लंबी चारदीवारी और सडक निर्माण को ध्वस्त किया। इसके बाद टीम ने भोंडसी के जेल रोड पर 13 एकड़ में चल रहे अवैध निर्माण पर कार्रवाई की।

कॉलोनियों का निर्माण

साढ़े सात एकड़ में चल रहा था चार यहां दस निर्माणाधीन मकान, 58 डीपीसी,



एक भूमाफिया कार्यालय और सात चारदीवारी को मलबे में मिला दिया गया।टीम ने मारुति कुंज रोड पर भी कार्रवाई की। यहां लगभग साढे सात एकड में चार अवैध कॉलोनियों का निर्माण कार्य चल रहा

पांच निर्माणाधीन मकान, 30 डीपीसी और एक टीन शेड को ध्वस्त कर दिया गया। भुमाफियाओं द्वारा प्लाट बेचने के लिए बनाई गई सडकें भी उखाड दी गईं।

परी कार्रवाई के दौरान भारी पलिस बल तैनात रहा, ताकि किसी भी तरह के विरोध की स्थिति से निपटा जा सके। डयटी मजिस्टेट एटीपी अनीश ग्रोवर की देखरेख में हुए इस अभियान में जेई सचिन, एफटी शुभम समेत कई अधिकारी मौजूद

जीएमडीए की टीम ने राजीव चौक से हटाया अतिक्रमण

गुरुग्राम मेट्रोपालिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमडीए) द्वारा एनएचएआई और नगर निगम के साथ राजीव चौक और मेदांता अस्पताल तक जाने वाले आसपास के क्षेत्र में अतिक्रमण के

झुग्गियों और अतिक्रमण पर कार्रवाई की गई। इस संबंध में नागरिकों की शिकायतें मिल रही थी। लगभग 500 मीटर क्षेत्र को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया, जहां लगभग 200 लोगों ने सरकारी भिम पर अतिक्रमण कर रखा था। इस अभियान का नेतृत्व डीटीपी जीएमडीए

आरएस बाठ ने किया और इसमें एटीपी मांगे राम और सतिंदर और जीएमडीए डिवीजन के जुनियर इंजीनियर मौजद थे। कार्रवाई के समय 50 पुलिसकर्मियों के साथ एनएचएआइ और नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

अतिक्रमण को साफ करने के साथ-साथ चौराहे पर ग्रीन बेल्ट को और विकसित करने के लिए जीएमडीए के शहरी पर्यावरण प्रभाग द्वारा राजीव चौक के नीचे लगभग एक हजार झाडीनमा पौधे लगाए गए थे । इसके अलाव क्षेत्र की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए अतिक्रमणकारियों द्वारा उपयोग की गई सामग्री और अन्य सामान को ट्रालियों से एनएचएआइ के डंपिंग प्वाइंट तक ले

पाकिस्तान की राह पर कनाडा ?

राकेश सैन

कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियां बढती जा रही हैं और इससे वहां रह रहा भारतीय समदाय विशेषकर हिन्द समाज इससे सर्वाधिक पीड़ित नजर आरहा है। तीन नवम्बर को वहां ब्रैम्पटन के मन्दिर में खालिस्तान के समर्थकों द्वारा हिन्दू मन्दिर में घुसकर लोगों के साथ हिंसा की गई।

कनाडा में जिस तरीके से खालिस्तानी अलगाववादियों व आतंकी तत्वों को खुल कर मनमानी करने का अधिकार मिलता जा रहा है और इस पर वहां की सरकार मौन साधे बैठी है उससे लगने लगा है कि दुनिया में पाकिस्तान के बाद कनाडा ऐसा देश है जो आतंकवाद को आतंकवाद को अपनी स्टेट पॉलिसी में शामिल करता जा रहा है। अपने राजनीतिक स्वार्थों की खातिर कनाडा की टूडो सरकार 'गुड टेरोरिज्म-बैड टेरोरिज्म' का भेंद करने की गलती कर रही है। कनिष्क विमान जैसी भयंकर आतंकी हमले की तिपश झेल चुके कनाडा को बहुत ही जल्द खालिस्तानी आतंकी भस्मासुर बने नजर आ सकते हैं, क्योंकि पाकिस्तान इसकी उदाहरण है कि दूसरों के घरों चिंगारी फेंकने वालों के खुद के घर में आग कैसे लगती है।

कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं और इससे वहां रह रहा भारतीय समुदाय विशेषकर हिन्दू समाज इससे सर्वाधिक पीड़ित नजर आरहा है। तीन नवम्बर को वहां ब्रैम्पटन के मन्दिर में खालिस्तान के समर्थकों द्वारा हिन्दू मन्दिर में घुसकर लोगों के साथ हिंसा की गई। वहां परिवार सहित आए निहत्थे लोगों पर खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने लाठियां बरसाईं और आरोप है कि पुलिस के कुछ जवानों ने भी हिंसक भीड़ का साथ दिया। कनाडा में हिन्दू मंदिरों को निशाना बनाने की यह कोई पहली घटना नहीं है।

इसी वर्ष जलाई में एडमॉण्टन में स्वामीनारायण मन्दिर में तोडफ़ोड़ की गई थी। मन्दिर के गेट और पीछे की दीवार पर भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थक पोस्टर चिपका दिए गए थे। इस पर आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की तस्वीर भी लगी थी। सरी वेंकुवर का लक्ष्मी नारायण मन्दिर ब्रिटिश कोलम्बिया प्रांत का सबसे पुराना और सबसे बड़ा हिन्दू मन्दिर है। यहां भी पिछले साल तोडफ़ोड़ हुई थी। 2023 में विण्डसर में एक हिन्दू मन्दिर को क्षतिग्रस्त किया गया था, जिसकी व्यापक निन्दा हुई और कनाडाई और भारतीय दोनों अधिकारियों ने कार्रवाई की मांग की थी। इसी साल जनवरी में वहां गौरीशंकर मन्दिर में तोडफ़ोड़ की गई। जनवरी में ही भगवान जगन्नाथ मन्दिर में भी तोडफ़ोड़ की गई। मिसिसागा हिन्दू हेरिटेज में मुख्य कार्यालय व दानपेटी में तोडफ़ोड़ की गई।

जुलाई में रिचमण्ड हिल व महात्मा गांधी जी की प्रतिमा में तोडफ़ोड़ की।पिछले साल अक्तूबर में डरहम में तीन हिंदू मंदिरों में तोडफ़ोड़ की गई। दिसम्बर 2023 में वेंकुवर में लक्ष्मी नारायण मन्दिर के प्रधान श्रीशेष के घर पर 14 गोलियां बरसाई गईं। लक्ष्मी नारायण मन्दिर के बाहर रास्ता बन्द कर तनाव पैदा किया गया। पिछले साल ही दिसंबर में किचनर के राम धाम मन्दिर में तोडफ़ोड़ की गई। वेंकुवर में नवरात्रों पर मन्दिर में चल रहे कार्यक्रम में खलल डालने की कोशिश, खालिस्तानियों ने मन्दिर के बाहर नारे लगाए। इस साल जनवरी में ब्रैम्पटन में हिन्दू मन्दिर की दीवार पर भारत विरोधी नारे लिखे गए। फरवरी में ओकविले में श्री वैष्णो देवी मंदिर में तोडफ़ोड़ की गई।

कनाडा के हिन्दुओं पर खालिस्तानियों के इस हमले की पूरी दुनिया में निंदा हो रही है। कनाडा में भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने इस हमले को लेकर कहा है कि अब



खालिस्तानियों ने हद पार कर दी है। वहीं, कनाडा के बीसी में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।हिन्दू समुदाय के लोग सडक़ों पर आए और कनाडा सरकार व खालिस्तानियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। बीसी की पुलिस के साथ प्रदर्शनकारियों का टकराव भी हुआ, रोचक बात है कि खालिस्तानी हमलावरों का साथ देने वाली कनाडा पुलिस ने यहां पर कई हिन्दुओं को घसीटकर न केवल पीटा बल्कि उठाकर गाडियों

भारत सरकार ने ब्रैम्पटन में खालिस्तानी झंडे लेकर आये प्रदर्शनकारियों की ओर से एक हिन्दू मन्दिर में लोगों के साथ की गई हिंसा की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम ब्रैम्पटन, ओंटारियो में हिन्दू सभा मन्दिर में चरमपंथियों और अलगाववादियों की ओर से

की गई हिंसा की निंदा करते हैं। इस बीच ओटावा स्थित भारतीय उच्यायोग ने भी एक कड़ा बयान जारी कर हिन्दु सभा मन्दिर पर भारत विरोधी तत्वों की ओर से किए गए हमले की निंदा की।

कनाडा में भारत विरोध में जो कुछ हो रहा है उसकी पृष्ठभूमि तो दशकों पहले से तैयार हो रही थी, इस बात का पता कैप्टन अमरेन्द्र सिंह जो पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री हैं, उनके ब्यान से होता है। कै. अमरेन्द्र सिंह लिखते हैं 'कुछ वर्ष पूर्व जब मैं पंजाब का मुख्यमंत्री था, मैं उस देश में सिख उग्रवाद के प्रति कनाडा के दृष्टिकोण से अवगत था जो तेजी से बढ़ रहा था परन्तु जिस पर ट्ररडो ने न केवल आंखें मूंद लीं बल्कि अपना राजनीतिक आधार बढ़ाने के लिए ऐसे लोगों को संरक्षण दिया। उन्होंने अपने रक्षामंत्री, एक सिख को पंजाब भेजा पर मैंने उससे मिलने से इनकार कर दिया क्योंकि वह खुद विश्व सिख

संगठन का सक्रिय सदस्य था, जो उस समय खालिस्तानी आंदोलन की मूल संस्था थी और जिसकी अध्यक्षता उसके पिता ने की थी। कुछ महीने बाद टूरडो भारत आए थे और उन्होंने मुझसे मिलने से इनकार कर दिया था। तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने ट्रडो से बड़े ही स्पष्ट शब्दों में कहा था कि जब तक आप मुख्यमंत्री से नहीं मिलेंगे, तब तक आप पंजाब का दौरा नहीं कर सकते। हम अमृतसर में मिले, उनके रक्षामंत्री सज्जन सिंह के साथ। मैंने उन्हें कनाडा से पंजाब की समस्याओं के बारे में खुलकर बताया कि कनाडा खालिस्तानी अलगाववादी आंदोलन का स्वर्ग बन गया, साथ ही वहां बंदूकों, ड्रग्स व गैंगस्टरों का बोलबाला हो गया है। परन्तु वहां की सरकार ने इन बातों

पर कोई ध्यान नहीं दिया। कनाडा में हिंदुओं पर हमले की घटना को लेकर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रडो अपने ही देश में घिर गए हैं। पीपुल्स पार्टी आफ कनाडा के नेता मैक्सिम बर्नियर ने प्रधानमंत्री ट्रडो और विपक्षी नेताओं जगमीत सिंह व पियरे पोलीवरे की प्रतिक्रिया की आलोचना की और आरोप लगाया कि इन नताओं ने हमलावरों को खालिस्तान समर्थकों के रूप में पहचानने से परहेज किया, क्योंकि उन्हें अपने वोट बैंक की चिंता है। बर्नियर ने इन नेताओं को कायर करार दिया है। बर्नियर ने लिखा कि इनमें से कोई भी कायर उन खालिस्तान समर्थकों का नाम लेने की हिम्मत नहीं करता, जो हिंसा कर रहे हैं। वे कुछ मतदाताओं को नाराज करने से डरते हैं। कनाडा के पूर्व मंत्री उज्जल दोसांझ ने कहा कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो सामाजिक और राजनीतिक रूप से मूर्ख हैं। वह यह कभी भी समझ नहीं पाए कि ज्यादातर सिख धर्मनिरपेक्ष हैं और खालिस्तान से उनका कोई लेना-देना

कनाडा में हिन्दू मंदिर पर हमला कनाडा सरकार समर्थित खालिस्तानी तत्वों द्वारा एक सोची समझी साजिश के तहत किया गया है। कनाडा में अगले वर्ष होने वाले चुनावों को देखते हुए आशंका है कि ऐसे हमले अभी जारी रहेंगे। वोट बैंक की राजनीति के लिए ही जस्टिन ट्रुडो बिना प्रमाण के ही वहां मारे गए आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर मढ़ रहे हैं।

कनाडा की ट्रूडो सरकार भारत विरुद्ध जो नीति अपनाकर चल रही है वह कनाडा के लिए आत्मघाती साबित होगी। ट्रडो अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए कनाडा के हितों से खिलवाड़ कर रहे हैं जिसका परिणाम कनाडावासियों को भविष्य में भुगतना पड़ेगा। इसके लिए उन्हें पाकिस्तान से सबक लेना चाहिए जो भारत में आतंकवाद निर्यात करते-करते खुद ही इसका शिकार हो कर रह गया।

– :सौजन्य:– ईवी ड्राइव द फ्यूचर

हुंडई ने बोल्ड इनिशियम हाइड्रोजन फ्यूल सेल एसयूवी कॉन्सेप्ट का किया अनावरण

परिवहन विशेष न्यूज

www.newsparivahan.com

हुंडई ने इनिशियम कॉन्सेप्ट का अनावरण किया है, जो एक हाइड्रोजन ईंधन सेल एसयुवी है, जो अगली पीढ़ी की नेक्सो की स्टाइलिंग और प्रौद्योगिकी को प्रदर्शित करने के लिए तैयार है।

हाइडोजन ऊर्जा के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से इसमें नया पावरटेन लगाया गया है, जिसके बारे में कहा गया है कि यह मौजूदा नेक्सो की तुलना में कहीं अधिक बेहतर प्रदर्शन प्रदान करेगा।

इसकी एकल विद्युत मोटर 201 बीएचपी तक की शक्ति प्रदान करती है, जो कि मौजूदा कार की तुलना में 40 बीएचपी अधिक है, तथा कहा जाता है कि यह मोटरवे की गति पर अधिक सगम डाइव प्रदान करती है।

हुंडई ने कहा कि वह दो बार ईंधन भरने पर 404 मील/646 किलोमीटर से अधिक की रेंज का लक्ष्य बना रही है जो नेक्सो के लिए आधिकारिक 414 मील/662 किलोमीटर के आंकड़े के

इसमें वाहन-से-लोड कार्यक्षमता भी है, जो कार की बैटरी को बाह्य उपकरणों को शक्ति प्रदान करने की अनुमति देती है।

तकनीकी विकास के अतिरिक्त. इनिशियम ने 'आर्ट ऑफ स्टील' नामक एक नई डिजाइन भाषा की शुरुआत की है।



इसे ₹ठोस और सुरक्षित₹ कहा जा रहा है, जिसे SUV के लिए ग्राहकों की मांग के जवाब में

बनाया गया है। फ्रंट डे-टाइम-रनिंग लाइट्स और रियर लाइट्स पर प्लस-आकार का ग्राफ़िक नया है और इसका उपयोग हुंडई के हाइड्रोजन मॉडल को बैटरी-इलेक्ट्रिक और इंटरनल-कम्बशन पावरट्रेन वाले मॉडल से अलग करने के लिए किया जाएगा।

इनिशियम में हुंडई की अन्य एसयुवी की तुलना में अधिक आकर्षक छत है, जो इस बात का

संकेत है कि इसके डिजाइन में वायुगतिकी को कितनी प्राथमिकता दी गई है।

हंडई ने कहा कि इनिशियम एक प्रोडक्शन फ्यल सेल कार का पर्वावलोकन है जिसका अनावरण अगली गर्मियों तक किया जाना है। यह वर्तमान नेक्सो का उत्तराधिकारी होने की सबसे अधिक संभावना है, क्योंकि इसका डिजाइन युरोप के आसपास सार्वजनिक सडकों

पर पहले से ही परीक्षण किए गए प्रोटोटाइप के ब्रांड ने अभी तक यह घोषणा नहीं की है कि यह कार ब्रिटेन में आएगी या नहीं तथा वर्तमान संस्करण भी अधिक प्रभाव उत्पन्न करने में संघर्ष कर रहा है। पांच वर्ष पहले जब यह कार

आई थी, तब से अब तक यहां 50 से भी कम

नेक्सोस बेची गई हैं।

नई Maruti Suzuki Dzire की माइलेज की आई डिटेल्स, जानिए एक लीटर पेट्रोल में कितना चलेगी

परिवहन विशेष न्यूज

नई मारुति सुजुकी डिजायर ११ नवंबर को लॉन्च होने जा रही है। इसके लॉन्च से पहले कंपनी की तरफ से माइलेज की डिटेल्स का खुलासा कर दिया है। नई डिजायर में पिछले के मुकाबले ज्यादा माइलेज मिलेगा। साथ ही यह इलेक्ट्रिक सनरूफ और 360-डिग्री कैमरा फीचर्स के साथ आने वाली है। आइए जानते हैं इसके बारे में।

नई दिल्ली। नई जनरेशन मारुति डिजायर को 11 नवंबर 2024 को लॉन्च किया जाएगा। इस सब-4 मीटर सेडान को हाल ही में पेश किया गया है। इसके डिजाइन से लेकर फीचर्स तक में कई बदलाव किए गए हैं। इसके अलावा इसमें 1.2-लीटर तीन-सिलेंडर पेट्रोल इंजन दिया गया है। इसी के साथ ही नई डिजायर का CNG वेरिएंट को भी लॉन्च किया जाएगा। कंपनी की तरफ से नई डिजायर के माइलेज की डिटेल्स जारी की है। आइए जानते हैं कि नई नई Maruti Suzuki Dzire एक लीटर पेट्रोल में कितना माइलेज देगी।

New Maruti Dzire: इंजन स्पेसिफिकेशन

• इस साल की शुरुआत में स्विफ्ट हैचबैक

को अपडेट किया गया, जिसमें आउटगोइंग मॉडल में चार-सिलेंडर यूनिट की जगह एक छोटा 1.2-लीटर तीन-सिलेंडर पेट्रोल इंजन देखने के लिए मिला। कुछ ऐसा ही नई डिजायर के साथ किया गया है। नई डिजायर में स्विफ्ट के समान इंजन स्पेसिफिकेशन और टांसिमशन ऑप्शन के साथ पेश किया गया है।

 नई मारुति डिजायर में 1.2 लीटर पेटोल इंजन दिया गया है। यह इंजन 82 PS की पावर और 112 Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इस इंजन को 5-मैनुअल और 5-ऑटोमेटिक टांसिमशन के साथ जोड़ा गया है। वहीं, इसके CNG पावरट्रेन के साथ वैकल्पिक हाइब्रिड पेट्रोल केवल 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसिमशन मिलेगा।

New Maruti Dzire: माइलेज अभी तक हमारी टीम की तरफ से इसके

माइलेज की टेस्टिंग नहीं की गई है, तो हम इसके वास्तविक दुनिया की माइलेज के बारे में अभी पूरी जानकारी नहीं पाएंगे। लेकिन हम यहां पर आपको कंपनी की तरफ से दावा किए जा रहे माइलेज के बारे में बता रहे हैं। कंपनी दावा कर रही है उनकी नई डिजायर का पेट्रोल वेरिएंट 24.79 kmpl और 25.71 kmpl का माइलेज देगी। जिसमें से 24.79 kmpl का माइलेज



मैनुअल और 25.71 kmpl का माइलेज ऑटोमेटिक वाले से मिलेगा। वहीं, इसके CNG वेरिएंट से 33.73 km/kg का माइलेज मिलेगा।

New Maruti Dzire: फीचर्स

 नई डिजायर में फ्रंट बंपर, हॉरिजॉन्टल DRLs के साथ स्टाइलिश LED हेडलाइट्स, कई हॉरिजॉन्टल स्लैट्स के साथ एक चौडी ग्रिल और नए डिजाइन किए गए फॉग लैम्प हाउसिंग दिए गए हैं। इसके साथ ही शार्क फिन एंटीना, बूट लिड स्पॉइलर और क्रोम स्ट्रिप से जुड़ी Y-आकार की LED टेललाइटस दी गई है।

 इसका इंटीरियर बेज और ब्लैक थीम और डैशबोर्ड पर फॉक्स वुड एक्सेंट रखा गया है। साथ ही एनालॉग डाइवर डिस्प्ले. क्रज कंटोल. Apple CarPlay और Android Auto के लिए वायरलेस कम्पैटिबिलिटी के साथ 9-इंच टचस्क्रीन, रियर वेंट्स के साथ एयर कंडीशनिंग और सिंगल-पैन सनरूफ से लैस किया गया है।

• नई मारुति डिजायर में पैसेंजर की सेफ्टी के लिए रियर पार्किंग सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ESC), छह एयरबैग और 360-डिग्री कैमरा दिया गया है।

बजाज फाइनेंस को इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए आईएफसी से 400 मिलियन डॉलर का ऋण मिला

परिवहन विशेष न्यूज

इलेक्टिक वाहनों और ऊर्जा-कशल उपभोक्ता वस्तुओं के लिए जलवायु वित्त तक पहुँच बढ़ाने में मदद करने के साथ-साथ महिला स्वामित्व वाले सुक्ष्म उद्यमों और महिला सूक्ष्म उधारकर्ताओं का समर्थन करने के लिए अंतर्राष्टीय वित्त निगम (आईएफसी) ने बजाज फाइनेंस के साथ साझेदारी की है. जिसके तहत कंपनी को 400 मिलियन डॉलर का ऋग दिय जाएगा। यह पुणे स्थित कंपनी की 1 बिलियन डॉलर की ऋग-उगाही योजना का हिस्सा है।

बजाज फाइनेंस ने बुधवार, 06 अक्टबर को एक बयान में कहा कि इस फंडिंग का उद्देश्य जलवाय वित्त बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना, देश के जलवायु लक्ष्यों का समर्थन करना और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है।

आईएफसी के 400 मिलियन डॉलर के ऋग से कंपनी को दोपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहनों सहित ईवी खरीदने का विकल्प चुनने वाले ग्राहकों के लिए वित्त तक पहुंच का विस्तार करने में मदद मिलेगी, साथ ही ऊर्जा कुशल उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने में भी मदद

बजाज फाइनेंस के मुख्य वित्तीय अधिकारी संदीप जैन ने कहा कि यह साझेदारी कंपनी की महिलाओं के स्वामित्व वाले अधिक सूक्ष्म उद्यमों और महिला सक्ष्म उधारकर्ताओं को वित्तपोषित करने और उनका समर्थन करने की क्षमता को भी बढ़ाएगी।



उन्होंने कहा, ₹आईएफसी फंडिंग हमारे वित्तपोषण स्रोतों में विविधता लाने के लिए उत्प्रेरक का काम करती है। इसके साथ, हमारे बकाया जलवायु ऋगों की मात्रा 2024 में 150 मिलियन डॉलर से चार गुना बढ़कर 2027 में 600 मिलियन डॉलर हो जाएगी।₹

आईएफसी के क्षेत्रीय निदेशक इमाद एन फखौरी के अनुसार भारत के लिए अपने नेट-जीरो लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जलवायु वित्तपोषण में तेजी लाना महत्वपूर्ण है। बजाज फाइनेंस में आईएफसी के निवेश से बाजार में प्रतिस्पर्धा बढेगी, जिससे अन्य एनबीएफसी और निवेशक ऊर्जा-कुशल समाधानों, ई-मोबिलिटी और

माइक्रोफाइनेंस के लिए अपने वित्तपोषण का विस्तार करने के लिए प्रेरित होंगे।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा-उपभोग करने वाला देश है। जैसे-जैसे देश अपने ऊर्जा क्षेत्र का तेजी से विकास कर रहा है, लाखों घरों में नए उपकरण, एयर कंडीशनर और वाहन खरीदने की उम्मीद है। 2050 तक एयर कंडीशनर की मांग नौ गुना बढ़ने की उम्मीद है, जिससे ग्रीनहाउस-गैस उत्सर्जन में काफी वृद्धि होगी। घरेलू उपकरणों का बाजार 2024 में \$59.2 बिलियन होने का अनुमान है और सालाना 7.35 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है।

ईईसीजी देश के निम्न कार्बन विकास पथ के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर तब

जब घरों में कुल ऊर्जा खपत का 26 प्रतिशत और बिजली खपत का 25 प्रतिशत हिस्सा होता है। ईईसीजी को अपनाना और वित्तपोषण सीमित है क्योंकि अनिवार्य स्टार रेटिंग की आवश्यकता वाले उपभोक्ता सामानों में से केवल 26 प्रतिशत को ही 5- या 4-स्टार कुशल माना जाता है।

विश्व बैंक समूह का सदस्य IFC उभरते बाजारों में निजी क्षेत्र पर केंद्रित सबसे बड़ी वैश्विक विकास संस्था है जो 100 से अधिक देशों में काम कर रही है। वित्त वर्ष 2024 में आईएफसी ने विकासशील देशों में निजी कंपनियों और वित्तीय संस्थानों को रिकॉर्ड 56 बिलियन डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों में नहीं होगा ब्लास्ट



बड़ी घटनाएं हो जाती हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

देशभर में पर्यावरण सुरक्षा और अन्य बिंदुओं को लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ाने पर केंद्र सरकार लगातार काम कर रही है। इलेक्टिक वाहनों में कई तरह के नुकसान और घटनाएं सामने आती रही हैं वहीं आईआईटी इंदौर ने इलेक्ट्रिक वाहनों में थर्मल प्रबंधन में अभूतपूर्व बदलाव लाने के उद्देश्य से एक महत्वपर्ण शोध किया है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर संतोष कुमार साहू के नेतृत्व में इस परियोजना में एक नोवेल फेज-चेंज कंपोजिट (एनपीसीसी) बनाया गया है। इस नई रिसर्च से बैटरी की सुरक्षा और इसकी कार्यक्षमता प्रभावशाली तरीके से बढ़ जाएगी।

ईवी में बैटरी का अनुकूल तापमान बनाए रखना महत्वपूर्ण है जब लिथियम-आयन बैटरियां ज्यादा गर्म हो जाती हैं तो थर्मल घटनाएं जैसे गंभीर जोखिमों का

आईआईटी इंदौर में विकसित एनपीसीसी समान तापमान सुनिश्चित करके इस चुनौती का सामना करता है, जिससे ओवरहीटिंग के जोखिम में महत्वपर्ण ढंग से कमी आती है जो इस कंपोजिट को गेम-चेंजर बनाती है। एनपीसीसी बेहतर तापीय चालकता, आकार, स्थिरता लौ प्रतिरोध और विद्युत इन्सुलेशन प्रदान करता है जो बैटरी मॉड्यूल के सुरक्षित संचालन के लिए आवश्यक है। सिंगल और मल्टी-सेल बैटरी मॉडयल दोनों पर संपर्ण रूप से परीक्षण किए जाने पर यह चार्जिंग और डिस्चार्जिंग के दौरान बैटरी के तापमान को काफी कम करने में सक्षम साबित हुआ है, जिससे ईवी बैटरियों की कार्यक्षमता बढती है।

यह कम्पोजिट बनाने में आसान है और यह हल्का तथा किफायती है, जो पारंपरिक लिक्विड-कूल्ड सिस्टम के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करता है, जो भारी जटिल होते हैं और

आवश्यकता होती है। एनपीसीसी पाइप और पंप की आवश्यकता को समाप्त करता है जबकि असाधारण ताप अपव्यय और अग्निरोधी गुण प्रदान करता है. जिससे यात्रियों को एक अतिरिक्त सरक्षा मिलती है।

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने बताया कि 'इस तकनीक में ईवी के क्षेत्र को नया आकार देने की क्षमता है। गर्मी को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करके. एनपीसीसी सिस्टम लिथियम-आयन बैटरियों की कार्यक्षमता को बढ़ा सकता है। दूसरी बैटरी बदलने में कमी ला सकता है और निर्माताओं तथा उपभोक्ताओं दोनों के लिए प्रक्रिया संबंधी लागत में कटौती कर सकता है। पर्यावरण की दुष्टि से लंबे समय तक चलने वाली बैटरियों का मतलब है कि उत्पादन के लिए कम कच्चे माल की आवश्यकता होती है और कम अपशिष्ट होता है, जो स्थिरता लक्ष्यों में योगदान देता है इस नवीन सामग्री को पहले से ही व्यवसायीकरण के

चंद्र मौली को किया गया वज्रम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का सीईओ नियुक्त

चंद्र मौली को वज्रम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड का नया सीईओ नियुक्त किया गया है। उनकी भूमिका कंपनी के विकास के अगले चरण को परिभाषित करेगी, विशेष रूप से शेयरधारकों को समर्थन देने वाले उन्नत परिवहन बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग को देखते हुए।

विभिन्न क्षेत्रों में समृद्ध अनुभव रखने वाले चंद्र मौली के पास वज्रम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के लिए आवश्यक ज्ञान और अनभव है। उन्होंने विकास और परिचालन सुधारों के निर्माण पर विशेष जोर देने के साथ कंपनियों के संचालन में



प्रबंधकीय क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। वह वज्रम को वैश्विक ईवी उद्योग में बाजार के सबसे बड़े खिलाड़ियों में से एक के रूप में

स्थापित करना जारी रखेंगे ताकि व्यक्तियों को प्रौद्योगिकी और रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से अधिक गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रिक

मोबिलिटी समाधान दिए जा सकें। कंपनी के सीईओ के रूप में मौली को प्रमख ईवी उद्योग के खिलाडियों और अन्य अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ रणनीतिक गठबंधन बनाने की भी कोशिश करनी चाहिए। उनका नेतृत्व इस क्षेत्र में वज्रम की अत्याधुनिक तकनीक को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण होगा, साथ ही दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को पूरा करने की कंपनी

परिवहन विशेष न्यूज

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने अक्टूबर 2024 में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में अच्छी वृद्धि दर्ज की है, जिसमें साल-दर-साल 55.16% और महीने-दर-महीने 36.44% की वृद्धि दर्ज की गई है। यह उछाल मुख्य रूप से नवरात्रि और दीपावली के दौरान त्यौहारी सीजन की मांग के कारण है, जिसने कई ईवी सेगमेंट में उपभोक्ताओं की रुचि को काफी हद तक बढ़ाया है. जिसमें निर्माता सभी सेगमेंट में लाभ और ऑफ़र दे रहे हैं। इस मांग को पुरा करने के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने और सबसे महत्वपूर्ण रूप से बनाए रखने की दिशा में एक मजबूत कदम उठाने की आवश्यकता है।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन ईवी बाजार के मुख्य सेगमेंट में बने हुए हैं, अक्टूबर में 1,39,159 इकाइयों की बिक्री दर्ज की गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में 75,165 इकाइयाँ थीं। यह 85.14% वार्षिक वृद्धि एक कुशल शहरी परिवहन विकल्प के रूप में दोपहिया वाहनों की अपील को दर्शाती है। मासिक आधार पर दोपहिया वाहनों की बिक्री भी

सितंबर में 90,007 इकाइयों से 54.61% बढ़ी। ओला इलेक्ट्रिक और टीवीएस मोटर कंपनी जैसी कंपनियों ने बिक्री में मजबूत वृद्धि के साथ इस वृद्धि का नेतृत्व किया, जिसमें ओला ने 74.33% वार्षिक वृद्धि और टीवीएस ने 81.23% वार्षिक लाभ दर्ज किया। इन कंपनियों ने प्रतिस्पर्धी मुल्य निर्धारण और आकर्षक सुविधाओं के साथ बढ़ते उपभोक्ता हित को प्रभावी ढंग से भुनाया है, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में मजबूती मिली है। इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर्स की बिक्री में साल-दर-साल 17.83% की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो अक्टूबर 2023 में 57,006 इकाइयों के मुकाबले अक्टूबर 2024 में 67,171 इकाइयों तक पहुँच गई। सितंबर में 62,899 इकाइयों से बिक्री बढ़ने के साथ, मासिक वृद्धि 6.79% रही। इस सेगमेंट में अब EV के भीतर 54.7% बाजार हिस्सेदारी है, जो शहरी गतिशीलता में इसकी भूमिका को उजागर करती है। महिंद्रा ग्रप और महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी लिमिटेड जैसी कंपनियों ने साल-दर-साल

काफी लाभ कमाया, जिसमें बाद में 175.79% की प्रभावशाली वृद्धि हुई। इस सेगमेंट में मजबूत प्रदर्शन लास्ट-माइल कनेक्टिविटी में इलेक्ट्रिक विकल्पों की बढ़ती मांग को दर्शाता है, जो शहरी लॉजिस्टिक्स और सार्वजिनक परिवहन के लिए महत्वपुर्ण है।

इलेक्ट्रिक कमर्शियल व्हीकल बाजार एक खास लेकिन बढ़ता हुआ सेगमेंट बना हुआ है। अक्टूबर में बिक्री 864 यूनिट तक पहुंच गई, जो पिछले साल की 576 यूनिट से 50% साल-दर-साल वृद्धि और सितंबर में 855 यूनिट से 1.05% महीने-दर-महीने मामुली वृद्धि को दर्शाता है। टाटा मोटर्स ने 479 यूनिट बेचकर इस सेगमेंट का नेतृत्व किया, जो साल-दर-साल 3.0% की वृद्धि को दर्शाता है। इलेक्ट्रिक कमर्शियल व्हीकल की मांग, हालांकि छोटी है, लेकिन टिकाऊ लॉजिस्टिक्स समाधानों की तलाश करने वाली कंपनियों की वजह से तेजी से बढ़ रही है।0.89% समग्र ईवी बाजार हिस्सेदारी के साथ, इलेक्ट्रिक कमर्शियल व्हीकल धीरे-धीरे वाणिज्यिक अनप्रयोगों के लिए एक व्यवहार्य विकल्प बन रहे हैं, खासकर कम दूरी के शहरी

इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों ने अक्टूबर में 10,609 इकाइयों की बिक्री के साथ महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की, जो सितंबर में 5,874 इकाइयों से 80.61% मासिक वृद्धि और अक्टूबर 2023 में 7,626 इकाइयों से 39.12% वार्षिक वृद्धि है। टाटा मोटर्स ने इस सेगमेंट पर अपना दबदबा बनाया, जिसने 6,152 इकाइयाँ बेचीं और 9.9%

वार्षिक वृद्धि दिखाई, जबिक एमजी मोटर इंडिया ने 2,530 इकाइयाँ बेचकर 168.01% वार्षिक वृद्धि दर्ज की। इलेक्ट्रिक पीवी अब 2.2% बाजार हिस्सेदारी रखते हैं, जो भारतीय उपभोक्ताओं द्वारा व्यक्तिगत परिवहन के लिए ईवी की बढ़ती स्वीकृति को दर्शाता है। इस सेगमेंट में स्थिर वृद्धि एक उभरते रुझान का संकेत है जहां उपभोक्ता दैनिक आवागमन और व्यक्तिगत उपयोग के लिए पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

फाडा के अध्यक्ष सीएस विग्नेश्वर के अनुसार अक्टूबर



2024 भारत के ईवी बाजार के लिए एक महत्वपर्ण महीना था, जो त्योहारी मांग और टिकाऊ परिवहन की ओर बढ़ते रुझान दोनों से प्रेरित था। ईवी बाजार में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 6.7% और तिपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 54.7% है, ये आंकड़े निजी और सार्वजनिक परिवहन दोनों में इलेक्ट्रिक विकल्पों की ओर स्पष्ट झुकाव दिखाते हैं। वाणिज्यिक और यात्री वाहन खंडों में स्थिर प्रदर्शन भारत में ईवी अपनाने के लिए सकारात्मक प्रक्षेपवक्र को

सोशल मीडिया बनाम पारंपरिक मीडिया: वे कैसे भिन्न हैं?

संपादकीय विशेष



विजय गर्ग

एक व्यक्ति अपने दाहिने हाथ में स्मार्टफोन और गले में हेडसेट लटकाए हुए थोड़ा मुस्कुराते हुए आगे की ओर देखता है। मीडिया एक व्यापक उद्योग है जिसमें रेडियो, टेलीविजन और इंटरनेट प्लेटफ़ॉर्म जैसे किसी भी प्रकार का जन संचार शामिल है। सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया मीडिया क्षेत्र के दो प्राथमिक क्षेत्र हैं, और दोनों विभिन्न दर्शकों तक महत्वपूर्ण जानकारी या अंतर्दृष्टि पहुंचाने के लिए उपयोगी हो सकते हैं। यदि आप मीडिया क्षेत्र में करियर में रुचि रखते हैं या आप विशिष्ट दर्शकों के साथ बातचीत करने के लिए मीडिया का उपयोग करना चाहते हैं, तो इन दो मीडिया प्रकारों के बारे में अधिक जानने से आपको बेहतर ढंग से यह निर्धारित करने में मदद मिल सकती है कि आपके लिए कौन सा सही हो सकता है। इस लेख में, हम बताते हैं कि सामाजिक और पारंपरिक मीडिया क्या हैं, दो मीडिया प्रकारों के बीच मुख्य अंतरों को सूचीबद्ध करें और प्रत्येक क्षेत्र के भीतर प्राथमिक नौकरियों की एक सूची प्रदान करें। सोशल मीडिया क्या है ? सोशल मीडिया वेबसाइटें, इंटरनेट प्लेटफ़ॉर्म और अन्य प्रौद्योगिकियाँ हैं जो व्यवसायों और व्यक्तियों को ऑनलाइन बातचीत करने की अनुमति देती हैं। विभिन्न प्रकार के सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म हैं जिनमें विभिन्न वेबसाइटें मैसेजिंग प्लेटफ़ॉर्म और एप्लिकेशन शामिल हैं, और प्रत्येक प्लेटफ़ॉर्म में अलग-अलग विशेषताएं और क्षमताएं हो सकती हैं। कंपनियां अपने उत्पादों या सेवाओं का विज्ञापन करने. ग्राहकों के सवालों का जवाब देने या किसी नए ब्रांड या विचार को प्रसारित करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कर सकती हैं। पारंपरिक मीडिया क्या है ? पारंपरिक मीडिया जनसंचार का एक रूप है जिसमें विशिष्ट दर्शकों के साथ विचार या विज्ञापन साझा करना शामिल है। पारंपरिक मीडिया में समाचार पत्र, टेलीविजन कार्यक्रम, पत्रिकाएं और रेडियो शो शामिल हो सकते हैं। इसमें इन उपकरणों के डिजिटल संस्करण भी शामिल हो सकते हैं, जैसे कोई ऑनलाइन पत्रिका या ब्लॉग । इंटरनेट से पहले, पारंपरिक मीडिया अक्सर संगठनों द्वारा संभावित ग्राहकों को

विज्ञापन देने का प्राथमिक तरीका था। सोशल मीडिया बनाम पारंपरिक मीडिया चाहे आप मीडिया में करियर बनाने पर विचार कर रहे हों या बस किसी व्यवसाय या उत्पाद के विपणन के तरीके तलाश रहे हों, सामाजिक और पारंपरिक मीडिया के बीच अंतर के बारे में सीखने से आपको बेहतर ढंग से यह निर्धारित करने में मदद मिल सकती है कि आपके इच्छित दर्शकों के लिए कौन सा अधिक प्रभावी हो सकता है। इन दोनों प्रकार के मीडिया के बीच कुछ प्रमुख अंतर यहां दिए गए हैं: श्रोता विशिष्ट दर्शकों से जुड़ने के लिए सामाजिक और पारंपरिक दोनों मीडिया उपयोगी उपकरण हो सकते हैं। पारंपरिक मीडिया आमतौर पर व्यवसायों को व्यापक दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने में मदद करता है। उदाहरण के लिए, कोई कंपनी राष्ट्रीय टेलीविजन नेटवर्क पर सुबह की खबरों के दौरान अपने उत्पाद का विज्ञापन करने के लिए भुगतान कर सकती है। इससे उस कंपनी को व्यापक दर्शकों को आकर्षित करने की अनुमति मिलती है, क्योंकि बहुत से लोग काम पर निकलने से पहले सुबह समाचार देखना पसंद करते हैं। सोशल मीडिया आम तौर पर छोटे, अधिक विशिष्ट दर्शकों के लिए उपयोगी है। सोशल मीडिया विशेषज्ञ किसी कंपनी के अनुयायियों को लक्षित करने के लिए पोस्ट बना सकते हैं या वे एक निश्चित समह का ध्यान बनाए रखने के लिए अधिक वैयक्तिकृत विज्ञापन विकसित कर सकते

उदाहरण के लिए, एक कपड़ा कंपनी जो युवा महिलाओं के लिए कपड़े बनाती है, अपने चैनलों पर एक नए डिज़ाइन के बारे में पोस्ट कर सकती है, जिससे उसके सोशल मीडिया अनुयायियों को पोस्ट को अधिक आसानी से ढूंढने और साझा करने की सुविधा मिलती है। कंपनी की मार्केटिंग टीम पोस्ट को अधिक विशिष्ट आयु समूहों को लक्षित करने और अनुकृलित करने के लिए सोशल मीडिया एल्गोरिदम का उपयोग कर सकती है। वार्ता सामाजिक और पारंपरिक मीडिया दोनों विभिन्न प्रकार के संचार या संवाद प्रदान करते हैं। पारंपरिक मीडिया अक्सर एक तरफ़ा संचार उपकरण होता है, जिसका अर्थ है कि इसका मुख्य उद्देश्य दर्शकों को सूचित करना या राजी करना है। उदाहरण के लिए, कोई व्यवसाय किसी स्थानीय में विज्ञापन पोस्ट कर सकता हैकिसी संदेश को दर्शकों के साथ शीघ्रता से साझा करने के लिए समाचार पत्र या दिन के समय टेलीविजन पर अपना विज्ञापन प्रसारित करता है। सोशल मीडिया इस मायने में भिन्न है कि यह कंपनियों को अपने इच्छित दर्शकों के साथ दो-तरफ़ा संवाद को बढ़ावा देने और उनके

देता है। उदाहरण के लिए, कोई कंपनी अपने सोशल मीडिया चैनलों पर अपनी नई सेवा का विज्ञापन करते हुए एक तस्वीर पोस्ट कर सकती है। संभावित ग्राहक पोस्ट पर सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया देकर और उसे पसंद करके या अपने अनुयायियों के साथ साझा करके उससे बातचीत कर सकते हैं। इससे कंपनी को अपनी ब्रांड जागरूकता बढाने, ग्राहकों से तुरंत प्रतिक्रिया प्राप्त करने और उनके साथ अधिक आसानी से जुड़ने की अनुमित मिल सकती है। लागत मार्केटिंग के लिए मीडिया की लागत प्रारूप के आधार पर भिन्न हो सकती है। सोशल मीडिया की लागत आमतौर पर पारंपरिक मीडिया की तुलना में कम होती है लेकिन व्यापक दर्शकों को आकर्षित करने के लिए अधिक व्यक्तिगत भुगतान की आवश्यकता हो सकती है। उदाहरण के लिए, यदि कोई मार्केटिंग टीम किसी नए उत्पाद के लिए विज्ञापन पोस्ट करना चाहती है, तो वह मुफ्त में या थोड़ी सी लागत पर एक सोशल मीडिया घोषणा बना सकती है। कोई कंपनी अपने सोशल मीडिया पर जितने अधिक भुगतान वाले विज्ञापन पोस्ट करेगी, वह उतनी ही आसानी से अपने लक्षित दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने में सक्षम हो सकती है। पारंपरिक मीडिया में अक्सर मीडिया संगठन या कंपनी के आधार पर दरें निर्धारित होती हैं। उदाहरण के लिए, एक कंपनी जो किसी पत्रिका में विज्ञापन पोस्ट करना चाहती है, वह पत्रिका कंपनी को एक विशिष्ट शुल्क का भगतान कर सकती है। टीवी और रेडियो विज्ञापनों की लागत अक्सर दिन के विशिष्ट समय या दर्शकों की संख्या पर निर्भर करती है। ऐसे शो जिन्हें अधिक दर्शक मिलते हैं या दिन का वह समय जब अधिक लोग कार्यक्रम देख रहे होते हैं, उच्च विज्ञापन लागत से संबंधित हो सकते हैं। समय इन दो मीडिया प्रारूपों के लिए समयरेखा या उत्पादन कार्यक्रम भी भिन्न हो सकते हैं। पारंपरिक मीडिया को आमतौर पर बनाने में अधिक समय लगता है और इसका एक विस्तृत शेड्यूल होता है जो विज्ञापन के विशिष्ट रूप पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, किसी पत्रिका में विज्ञापन देने में रुचि रखने वाली मार्केटिंग टीमों के लिए संभवतः उस पत्रिका के प्रकाशन कार्यक्रम के आधार पर अपने विज्ञापन विकसित करना आवश्यक होगा। इसका अर्थ मासिक विज्ञापन विकसित करना हो सकता है यदि पत्रिका प्रत्येक माह की शुरुआत में नई सामग्री प्रकाशित करती है। सोशल मीडिया में अक्सर अधिक लचीली समयरेखा होती है। कंपनियाँ जानकारी पोस्ट कर सकती हैं और ग्राहकों के साथ शीघ्रता और बार-बार संवाद कर

साथ निरंतर बातचीत बनाए रखने की अनुमति

सकती हैं। वे कितने विज्ञापन बनाते हैं और उन्हें पोस्ट करने की आवृत्ति अक्सर उनका निर्णय होता है। कुछ कंपनियाँ वर्ष के समय और अपने दर्शकों की प्राथमिकताओं के आधार पर अपनी सोशल मीडिया सामग्री को सीमित करने का निर्णय ले सकती हैं, जबकि अन्य जितनी बार संभव हो पोस्ट कर सकते हैं। अनुकूलन क्षमता आमतौर पर सोशल मीडिया पोस्ट को पारंपरिक पोस्ट की तुलना में अधिक आसानी से संपादित करना और बदलना संभव है। उदाहरण के लिए, पोस्ट करने के बाद, सोशल मीडिया विशेषज्ञ पोस्ट को प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर संपादित कर सकता है, अपडेट कर सकता है या पूरी तरह से हटा सकता है। पारंपरिक मीडिया के साथ, सामग्री आम तौर पर वही रहती है। उदाहरण के लिए, एक कंपनी जो किसी समाचार पत्र में विज्ञापन देती है, प्रकाशन के बाद उसे आसानी से नहीं बदल सकती। हालाँकि पारंपरिक प्रारूपों में जानकारी को संपादित करना या बदलना आम तौर पर अधिक चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन इन प्रारूपों के परिणामस्वरूप दर्शकों पर अधिक प्रभाव पड़ सकता है। लेखक नियंत्रण ये मीडिया प्रकार लेखक नियंत्रण के विभिन्न स्तरों की पेशकश कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई स्थानीय रेडियो शो किसी कंपनी का साक्षात्कार लेना चाहता है, तो रेडियो शो के लेखक स्वयं कार्यक्रम की योजना बना सकते हैं, लिख सकते हैं और निर्देशित कर सकते हैं। जब तक सोशल मीडिया कुछ दिशानिर्देशों का पालन करता है तब तक सोशल मीडिया कंपनियों को अपनी सामग्री बनाने के अधिक अवसर देता है। सोशल मीडिया का उपयोग करने वाली कंपनियां अपने प्रकाशन की तारीख में देरी करने या कौन सा निर्धारित करने का निर्णय भी ले सकती हैंh वे श्रोता जिन्हें वे लक्षित करना चाहते हैं। प्रभाव जबिक दोनों मीडिया प्रकारों का लक्ष्य दर्शकों को प्रभावित करना है, पारंपरिक प्रारूपों का लक्ष्य अक्सर दर्शकों को सीधे प्रभावित करना होता है।

सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए यह उतना स्पष्ट नहीं हो सकता है कि एक पोस्ट एक विज्ञापन है, क्योंकि सोशल मीडिया अक्सर अधिक रचनात्मकता की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, जुते बेचने वाली कंपनी उपयोगकर्ता की व्यस्तता बढ़ाने के लिए अपने सोशल मीडिया चैनल पर एक मजेदार क्विज पोस्ट कर सकती है। सोशल मीडिया दर्शकों को मार्केटिंग से अलग कई तरीकों से भी प्रभावित कर सकता है। उदाहरण के लिए, कोई कंपनी अपने मौजूदा उत्पादों को बेहतर बनाने के लिए उपयोगकर्ता की प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए इसका उपयोग कर सकती है। सोशल मीडिया में करियर इस प्रकार के मीडिया में नौकरी के अवसरों की तुलना करने से आपको अधिक आसानी से यह निर्धारित करने में मदद मिल सकती है कि कौन सा आपके लिए सबसे अच्छा है। यहां सोशल मीडिया में कुछ विशिष्ट नौकरियां दी गई हैं। इनडीड से नवीनतम वेतन जानकारी के लिए, 1. सोशल मीडिया रणनीतिकार राष्ट्रीय औसत वेतनः \$63,875 प्रति वर्ष प्राथमिक कर्तव्यः एक सोशल मीडिया रणनीतिकार कंपनियों के लिए डिजिटल मार्केटिंग रणनीतियाँ बनाता है। वे प्रारंभिक रणनीतियों की योजना बना सकते हैं, सोशल मीडिया अभियान विकसित कर सकते हैं और नए अभियानों की प्रभावशीलता का विश्लेषण करने के लिए डेटा एकत्र कर सकते हैं। वे किसी अभियान के परिणामों पर चर्चा करने के लिए सोशल मीडिया टीमों से भी मिल सकते हैं। 2. सोशल मीडिया विशेषज्ञ राष्ट्रीय औसत वेतनः \$53,255 प्रति वर्ष प्राथमिक कर्तव्यः एक सोशल मीडिया विशेषज्ञ एक मार्केटिंग पेशेवर होता है जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रबंधन में माहिर होता है। उनके कर्तव्यों में लक्षित दर्शकों पर शोध करना, पोस्ट बनाना और ग्राहकों के साथ संवाद करना शामिल हो सकता है। वे यह निर्धारित करने के लिए एक मार्केटिंग टीम के साथ भी सहयोग कर सकते हैं कि कौन सी मीडिया रणनीतियाँ सबसे प्रभावी हो सकती हैं। 3. सोशल मीडिया मैनेजर राष्ट्रीय औसत वेतनः \$55,933 प्रति वर्ष प्राथमिक कर्तव्यः सोशल मीडिया प्रबंधक सोशल मीडिया टीमों की देखरेख में मदद करते हैं। वे कार्य सौंप सकते हैं, एक प्रकाशन कार्यक्रम की देखरेख कर सकते हैं और एक कंपनी के लिए कई सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का प्रबंधन कर सकते हैं। वे सोशल मीडिया एनालिटिक्स को भी टैक कर सकते हैं और विभिन्न सामग्री रणनीतियाँ बना और प्रबंधित कर सकते हैं। और पढें: सोशल मीडिया मैनेजर बनने के बारे में जानें 4. सामग्री रणनीतिकार राष्ट्रीय औसत वेतनः \$72,825 प्रति वर्ष प्राथमिक कर्तव्यः एक सामग्री रणनीतिकार ब्लॉग पोस्ट, लेख और सोशल मीडिया पोस्ट सहित सामग्री निर्माण के लिए योजना तैयार करने में मदद करता है। वे नई सामग्री डिजाइन कर सकते हैं, उत्पादन कैलेंडर की देखरेख कर सकते हैं और प्रकाशन से पहले पोस्ट की समीक्षा कर सकते हैं। वे बाजार अनुसंधान भी कर सकते हैं। 5. ब्रांड रणनीतिकार राष्ट्रीय औसत वेतनः \$78,280 प्रति वर्ष प्राथमिक कर्तव्यः ब्रांड रणनीतिकार

कंपनियों के लिए मार्केटिंग रणनीतियाँ विकसित करते हैं। वे कंपनियों को सकारात्मक ब्रांड छवि बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

क्या आपको अपने बायोडाटा के लिए सहायता की आवश्यकता है ? पारंपरिक मीडिया में करियर यहां पारंपरिक मीडिया में कुछ विशिष्ट नौकरियां दी गई हैं। इनडीड से नवीनतम वेतन जानकारी के लिए 1. प्रचारक राष्ट्रीय औसत वेतनः \$52,869 प्रति वर्ष प्राथमिक कर्तव्यः एक प्रचारक यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि एक संदेश अपने इच्छित लक्षित दर्शकों के साथ संरेखित हो। वे भाषण लिख सकते हैं, प्रेस विज्ञप्तियाँ डिजाइन कर सकते हैं और ग्राहकों के लिए वेबसाइट सामग्री बना सकते हैं। वे अपने ग्राहकों को बेहतर ढंग से बढ़ावा देने के लिए पत्रकारों को विभिन्न विचार पेश करने में भी मदद करते हैं। और पढ़ें: प्रचारक होने के बारे में जानें 2. प्रसारक राष्ट्रीय औसत वेतनः \$59,245 प्रति वर्ष प्राथमिक कर्तव्यः प्रसारक मीडिया पेशेवर होते हैं जो दर्शकों को समाचार या मनोरंजन रिपोर्ट करते हैं। वे आम तौर पर टेलीविजन या रेडियो सेटिंग में काम करते हैं। उनके कर्तव्यों में समाचार कहानियों पर शोध करना,टेलीप्रॉम्प्टर से स्क्रिप्ट संपादित करना और पढ़ना । ३. निर्माता राष्ट्रीय औसत वेतनः \$56,836 प्रति वर्ष प्राथमिक कर्तव्यः एक निर्माता एक मीडिया पेशेवर होता है जो किसी उत्पादन की देखरेख में मदद करता है। उनके कर्तव्यों में किसी प्रोजेक्ट के बजट का प्रबंधन करना, प्रोजेक्ट शेड्यूल बनाना और प्रोडक्शन टीम की देखरेख करना शामिल हो सकता है। वे फिल्म, टेलीविजन और रेडियो सहित कई मीडिया क्षेत्रों में काम कर सकते हैं। 4. पत्रकार राष्ट्रीय औसत वेतनः \$41,431 प्रति वर्ष प्राथमिक कर्तव्यः एक पत्रकार विभिन्न समाचार आउटलेटों के लिए लेख लिखने और प्रकाशित करने में मदद करता है। वे दर्शकों को वर्तमान घटनाओं के बारे में सूचित करने के लिए व्यक्तियों का साक्षात्कार कर सकते हैं, कहानियों पर शोध कर सकते हैं और लेख लिख सकते हैं। वे टेलीविजन नेटवर्क, समाचार पत्र और पत्रिकाओं सहित विभिन्न मीडिया प्लेटफार्मों के लिए काम कर सकते हैं। और पढ़ें: पत्रकार होने के बारे में जानें 5. मीडिया निदेशक राष्ट्रीय औसत वेतनः \$124,319 प्रति वर्ष प्राथमिक कर्तव्यः एक मीडिया निदेशक किसी कंपनी की संचार रणनीतियों को प्रबंधित करने में मदद करता है। वे किसी संगठन के भीतर सभी मीडिया अभियानों को डिजाइन और देखरेख करते हैं। वे एक विज्ञापन बजट का प्रबंधन भी कर सकते हैं, विभिन्न विज्ञापन प्लेटफार्मों के साथ सहयोग कर सकते हैं और एक मार्केटिंग टीम के साथ सामग्री रणनीतियों पर चर्चा कर सकते हैं।

एआई उपकरण कौशल विकास में क्रांति ला रहे हैं विजय गर्ग

विजय गर्ग

आज के तेज गति वाले डिजिटल परिदृश्य में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विभिन्न क्षेत्रों में पेशेवरों के लिए एक गेम चेंजर के रूप में उभरा है। एआई उपकरण हमारे काम करने के तरीके को बदल रहे हैं, उत्पादकता बढ़ा रहे हैं और नवाचार को आगे बढ़ा रहे हैं शुरुआती दौर में अपनी नौकरी खोने के डर के कारण पेशेवरों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सबसे बड़ा खतरा माना जाता था, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है। इससे न केवल युवाओं को नई नौकरियाँ मिलेंगीबल्कि वह अपने हुनर को निखारने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं. छात्रों को शिक्षित करने से लेकर शिक्षकों और पेशेवरों को पेशेवर

तरीके से पढाने तक, यह उन्हें अनिगनत तरीकों से मदद कर रहा है। यदि आप भी कॉर्पोरेट जगत में करियर तलाश रहे हैं या अपने कौशल को निखारना चाहते हैं, तो एआई आपको नए अवसर खोजने और बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकता है। बायोडाटा को प्रभावशाली बनाएं एआई बहुत आकर्षक बायोडाटा और कवर लेटर बनाने में मदद करता है, जिससे आप भर्तीकर्ता के सामने खड़े हो जाते हैं।आर को बेहतर तरीके से उजागर किया जाएगा. रिज्यूमे और कवर लेटर बनाने के लिए रेजी एक ऐसा उपकरण है। यह कौशल और शैक्षिक पृष्ठभूमि को आकर्षक आकार देकर बायोडाटा को प्रभावशाली बनाता है। यह उम्मीदवार के लिए जारी विज्ञापन और नियुक्ति देने वाली कंपनी के नाम के आधार पर एक अनुकृलित नौकरी आवेदन भी तैयार करता है। इंटरव्यू की तैयारी इंटरव्यू के सवालों को लेकर चिंतित होना स्वाभाविक है। इसके लिए चैटजीपीटी की मदद ली जा सकती है। हालाँकि पूरी तरह से चैटजीपीटी पर निर्भर हैसही नहीं यह केवल संभावित सझावों के लिए सर्वोत्तम विकल्प है. इस पर आप कंपनी और उम्मीदवार का नाम डालकर संभावित साक्षात्कार प्रश्नों की सूची और साक्षात्कार देते समय आपको क्या ध्यान रखना चाहिए, इसकी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आप चैटजीपीटी द्वारा सुझाए गए कौशल और क्षमताओं के आधार पर अपने उत्तर में सुधार कर सकते हैं। पदोन्नति के लिए

ए.आई एआई न सिर्फ नौकरी पाने में मदद करता है. बल्कि इसकी मदद से प्रोफेशनल्स प्रमोशन की राह भी तय कर सकते हैं। आप चैटजीपीटी और जेमिनी आदि का उपयोग कर सकते हैंआप बॉस से अपने प्रमोशन के लिए बातचीत करने के तरीकों के बारे में भी सीख सकते हैं रचनात्मकता ऑटोमेशन एनीव्हेयर एनीव्हेयर का एआई-पावर्ड ऑटोमेशन प्लेटफॉर्म पेशेवरों को दोहराए जाने वाले कार्यों को स्वचालित करने में सक्षम बनाता है, जिससे रणनीतिक सोच और रचनात्मकता के लिए समय बच जाता है। Google क्लाउड AI मशीन लर्निंग टूल प्रदान करता है, जो पेशेवरों को AI मॉडल बनाने में सक्षम बनाता है जो व्यावसायिक अंतर्दृष्टि और

विकास को बढावा देता है। आईबीएम का एआई प्लेटफॉर्म पेशेवरों को डेटा विश्लेषण, विजुअलाइजेशन और निर्णय लेने में सशक्त बनाता हैविभिन्न प्रकार के उपकरण प्रदान करता है। कंप्यूटर विजन उपकरण TensorFlow और OpenCV जैसे कंप्यटर विजन टल पेशेवरों को AI मॉडल लागू करने में सक्षम बनाते हैं जो विजुअल डेटा की व्याख्या करते हैं और उसका अर्थ निकालते हैं। चैटबॉटस डायलॉगफ्लो और बॉटप्रेस जैसे चैटबॉट पेशेवरों को संवादात्मक इंटरफेस बनाने में सक्षम बनाते हैं जो ग्राहक जुड़ाव और समर्थन को बढ़ाते हैं। परिणामस्वरूप, एआई उपकरण पेशेवर दिनया में क्रांति ला रहे हैं और हमें अधिक स्मार्ट, तेज

किसी ब्रांड या पहचान को बढ़ावा देने में विशेषज्ञ

होते हैं। वे बाजार के रुझानों का विश्लेषण करते

हैं, लक्षित दर्शकों का निर्धारण करते हैं और

और अधिक कुशलता से काम करने में सक्षम बना रहे हैं।हैं इन उपकरणों को अपनाकर पेशेवर नए अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। एआई वार्तालाप स्टार्टर टल कछ कंपनियां ऐसी भी हैं जहां रिक्तियों के लिए कोई पारंपरिक विज्ञापन जारी नहीं किया जाता है। इसे हिडन जॉब मार्केट कहा जाता है. ऐसी नौकरी की जानकारी के लिए नेटवर्किंग काफी मददगार है। इसके अलावा, लिंक्डइन का एआई वार्तालाप स्टार्टर टल संबंधित क्षेत्रों में पेशेवरों से जड़ने और आपके कौशल को उजागर करने में मदद करता है। LinkedIn के अलावा Taplio और Engage ऐसे AI टूल हैं, जोलिंक्डइन के साथ मिलकर आपकी नेटवर्किंग बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

सेंधा नमक की हकीकत......

"सेंधा नमक के साथ इन अंग्रेजो ने कैसे किया था खिलवाड"

भारत से कैसे गायब कर दिया गया... आप सोच रहे होंगे की ये सेंधा नमक बनता कैसे है ?? आइये आज हम आपको बताते है कि नमक मुख्यतः कितने प्रकार का होता है। एक होता है समुद्री नमक, दूसरा होता है सेंधा नमक 'rock salt' सेंधा नमक बनता नहीं है पहले से ही बना बनाया है। पूरे उत्तर भारतीय उपमहाद्वीप में खनिज पत्थर के नमक को 'सेंधा नमक' या 'सैन्धव नमक', लाहोरी नमक आदि आदि नाम से जाना जाता है जिसका मतलब है 'सिंध या सिन्धु के इलाक़े से आया हुआ'। वहाँ नमक के बड़े बड़े पहाड़ है सुरंगे है । वहाँ से ये नमक आता है। मोटे मोटे टुकड़ो मे होता है आजकल पीसा हुआ भी आने लगा है यह ह्रदय के लिये उत्तम, दौपन और पाचन मे मदद रूप, त्रिदोष शामक, शीतवीर्य अर्थात ठंडी तासीर वाला, पचने मे हल्का है । इससे पाचक रस बढ़ते हैं। अतः: आप ये समुद्री नमक के चक्कर से बाहर निकले। काला नमक ,सेंधा नमक प्रयोग करे, क्यूंकि ये प्रकृति का बनाया है, भारत मे 1930 से पहले कोई भी समुद्री नमक नहीं खाता था विदेशी कंपनीयां भारत में नमक के व्यापार मे आजादी के पहले से उतरी हुई है , उनके कहने पर ही भारत के अँग्रेजी प्रशासन द्वारा भारत की भोली भाली जनता को आयोडिन मिलाकर समुद्री नमक खिलाया जा रहा है, हुआ ये कि जब ग्लोबलाईसेशन के बाद बहुत सी विदेशी कंपनियों अन्नपूर्णा, कैप्टन कुक ने नमक बेचना शुरू किया तब ये सारा खेल शुरू हुआ ! अब समझिए खेल क्या था ?? खेल ये था कि विदेशी कंपनियों को नमक बेचना है और बहुत मोटा लाभ कमाना है और लूट मचानी है तो पूरे भारत में एक नई बात फैलाई गई कि

आयोडीन युक्त नामक खाओ, आयोडीन

युक्त नमक खाओ ! आप सबको आयोडीन की कमी हो गई है। ये सेहत के लिए बहुत अच्छा है आदि आदि बातें पूरे देश में प्रायोजित ढंग से फैलाई गई। और जो नमक किसी जमाने में 2 से 3 रूपये किलो में बिकता था। उसकी जगह आयोडीन नमक के नाम पर सीधा भाव पहुँच गया 8 रूपये प्रति किलो और आज तो 20 रूपये को भी पार कर गया है।

दुनिया के 56 देशों ने अतिरिक्त आयोडीन युक्त नमक 40 साल पहले बैन कर दिया अमेरिका में नहीं है जर्मनी मे नहीं है फ्रांस में नहीं ,डेन्मार्क में नहीं , डेन्मार्क की सरकार ने 1956 में आयोडीन युक्त नमक बैन कर दिया क्यों ?? उनकी सरकार ने कहा हमने आयोडीन युक्त नमक खिलाया !(1940 से 1956 तक) अधिकांश लोग नपुंसक हो गए! जनसंख्या इतनी कम हो गई कि देश के खत्म होने का खतरा हो गया ! उनके वैज्ञानिकों ने कहा कि आयोडीन युक्त नमक बंद करवाओ तो उन्होने बैन लगाया। और शुरू के दिनों में जब हमारे देश में ये आयोडीन का खेल शुरू हुआ इस देश के बेशर्म नेताओं ने कानून बना दिया कि बिना आयोडीन युक्त नमक भारत में बिक नहीं सकता । वो कुछ समय पूर्व किसी ने कोर्ट में मुकदमा दाखिल किया और ये बैन

आज से कुछ वर्ष पहले कोई भी समुद्री नमक नहीं खाता था सब सेंधा नमक ही खाते थे।

सेंधा नमक के फ़ायदे:- सेंधा नमक के उपयोग से रक्तचाप और बहुत ही गंभीर बीमारियों पर नियन्त्रण रहता है क्योंकि ये अम्लीय नहीं ये क्षारीय है (alkaline) क्षारीय चीज जब अमल में मिलती है तो वो न्यूटल हो जाता है और रक्त अमलता खत्म होते ही शरीर के 48 रोग ठीक हो जाते हैं, ये नमक शरीर में पूरी तरह से घुलनशील है।

और सेंधा नमक की शुद्धता के कारण आप एक और बात से पहचान सकते हैं कि उपवास ,व्रत में सब सेंधा नमक ही खाते है। तो आप सोचिए जो समुद्री नमक आपके उपवास को अपवित्र कर संकता है वो आपके शरीर के लिए कैसे लाभकारी हो सकता है ??

सेंधा नमक शरीर में 97 पोषक तत्वों की कमी को पुरा करता है ! इन पोषक तत्वों की कमी ना पूरी होने के कारण ही लकवे (paralysis) का अटैक आने का सबसे बडा जोखिम होता है सेंधा नमक के बारे में आयुर्वेद में बोला गया है कि यह आपको इसलिये खाना चाहिए क्योंकि सेंधा नमक वात, पित्त और कफ को दूर करता है।

यह पाचन में सहायक होता है और साथ ही इसमें पोटैशियम और मैग्नीशियम पाया जाता है जो हृदय के लिए लाभकारी होता है। यही नहीं आयुर्वेदिक औषधियों में जैसे लवण भास्कर, पाचन चूर्ण आदि में भी प्रयोग किया

समुद्री नमक के भयंकर नुकसान :- ये जो समुद्री नमक है आयुर्वेद के अनुसार ये तो अपने आप में ही बहुत खतरनाक है! क्योंकि कंपनियाँ इसमें अतिरिक्त आयोडीन डाल रही है। अब आयोडीन भी दो तरह का होता है एक तो भगवान का बनाया हुआ जो पहले से नमक में होता है। दूसरा होता है "industrial iodine" ये बहुत ही खतरनाक है। तो समुद्री नमक जो पहले से ही खतरनाक है उसमे कंपनिया अतिरिक्त industrial iodine डाल को परे देश को बेच रही है। जिससे बहुत सी गंभीर बीमरियां हम लोगों को आ रही है । ये नमक मानव द्वारा फ़ैक्टरियों में निर्मित है।

आम तौर से उपयोग मे लाये जाने वाले समुद्री नमक से उच्च रक्तचाप (high BP) ,डाइबिटीज़, आदि गंभीर बीमारियो का भी कारण बनता है । इसका एक कारण ये है कि ये

नमक अम्लीय (acidic) होता है। जिससे रक्त अम्लता बढ़ती है और रक्त अमलता बढ़ने से ये सब 48 रोग आते है । ये नमक पानी कभी पूरी तरह नहीं घुलता हीरे (diamond) की तरह चमकता रहता है इसी प्रकार शरीर के अंदर जाकर भी नहीं घुलता और अंत इसी प्रकार किडनी से भी नहीं निकल पाता और पथरी का भी कारण बनता है ।

रिफाइण्ड नमक में 98% सोडियम क्लोराइड ही है शरीर इसे विजातीय पदार्थ के रुप में रखता है। यह शरीर में घुलता नहीं है। इस नमक में आयोडीन को बनाये रखने के लिए Tricalcium Phosphate, Magnesium Carbonate, Sodium Alumino Silicate जैसे रसायन मिलाये जाते हैं जो सीमेंट बनाने में भी इस्तेमाल होते है। विज्ञान के अनुसार यह रसायन शरीर में रक्त वाहिनियों को कड़ा बनाते हैं, जिससे ब्लाक्स बनने की संभावना और आक्सीजन जाने में परेशानी होती है। जोड़ो का दर्द और गठिया, प्रोस्टेट आदि होती है। आयोडीन नमक से पानी की जरुरत ज्यादा होती है, एक ग्राम नमक अपने से 23 गुना अधिक पानी खींचता है। यह पानी कोशिकाओं के पानी को कम करता है, इसी कारण हमें प्यास ज्यादा लगती है।

आप इस अतिरिक्त आयोडीन युक्त समुद्री नमक खाना छोड़िए और उसकी जगह सेंधा नमक खाइये !!सिर्फ आयोडीन के चक्कर में समुद्री नमक खाना समझदारी नहीं है, क्योंकि जैसा हमने ऊपर बताया आयोडीन हर नमक में होता है सेंधा नमक में भी आयोडीन होता है बस फर्क इतना है इस सेंधा नमक में प्रकृति के द्वारा बनाया आयोडीन होता है इसके इलावा आयोडीन हमें आलू, अरवी के साथ-साथ हरी सब्जियों से भी मिल जाता है।

एआई उपकरण कौशल विकास में क्रांति ला रहे हैं

आज के तेज़ गति वाले डिजिटल परिदश्य में. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विभिन्न क्षेत्रों में पेशेवरों के लिए एक गेम चेंजर के रूप में उभरा है। एआई उपकरण हमारे काम करने के तरीके को बदल रहे हैं, उत्पादकता बढ़ा रहे हैं और नवाचार को आगे बढ़ा रहे हैं शुरुआती दौर में अपनी नौकरी खोने के डर के कारण पेशेवरों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सबसे बडा खतरा माना जाता था, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है। इससे न केवल यवाओं को नई नौकरियाँ मिलेंगीबल्कि वह अपने हुनर को निखारने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं. छात्रों को शिक्षित करने से लेकर शिक्षकों और पेशेवरों को पेशेवर तरीके से पढ़ाने तक, यह उन्हें अनगिनत तरीकों से मदद कर रहा है। यदि आप भी कॉर्पोरेट जगत में करियर तलाश रहे हैं या अपने कौशल को निखारना चाहते हैं, तो एआई आपको नए अवसर खोजने और बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकता है। बायोडाटा को प्रभावशाली बनाएं एआई बहुत आकर्षक बायोडाटा और कवर लेटर बनाने में मदद करता है, जिससे आप भर्तीकर्ता के सामने खड़े हो जाते हैं।आर को बेहतर तरीके से उजागर किया जाएगा. रिज्यूमे और कवर लेटर बनाने के लिए रेजी एक ऐसा उपकरण है। यह कौशल और शैक्षिक पृष्ठभूमि को आकर्षक आकार देकर बायोडाटा को प्रभावशाली बनाता है। यह उम्मीदवार के लिए जारी विज्ञापन और नियुक्ति देने वाली कंपनी के नाम के आधार पर एक अनुकूलित नौकरी आवेदन भी तैयार करता है। इंटरव्यू की तैयारी इंटरव्यू के सवालों को लेकर चिंतित होना स्वाभाविक है। इसके लिए चैटजीपीटी की मदद ली जा सकती है। हालाँकि पूरी तरह से चैटजीपीटी पर निर्भर हैसही नहीं यह केवल संभावित सुझावों के लिए सर्वोत्तम विकल्प है. इस पर आप कंपनी और उम्मीदवार का नाम डालकर संभावित साक्षात्कार प्रश्नों की सूची और साक्षात्कार देते समय आपको क्या ध्यान रखना चाहिए, इसकी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आप चैटजीपीटी द्वारा सुझाए गए कौशल और क्षमताओं के आधार पर अपने उत्तर में सुधार कर सकते हैं। पदोन्नति के लिए ए.आई -विजय गर्ग एआई न सिर्फ नौकरी पाने में मदद करता है, बल्कि

इसकी मदद से प्रोफेशनल्स प्रमोशन की राह भी तय कर सकते हैं। आप चैटजीपीटी और जेमिनी आदि का उपयोग कर सकते हैंआप बॉस से अपने प्रमोशन के लिए बातचीत करने के तरीकों के बारे में भी सीख सकते हैं रचनात्मकता ऑटोमेशन एनीव्हेयर एनीव्हेयर का एआई-पावर्ड ऑटोमेशन प्लेटफॉर्म पेशेवरों को दोहराए जाने वाले कार्यों को स्वचालित करने में सक्षम बनाता है, जिससे रणनीतिक सोच और रचनात्मकता के लिए समय बच जाता है। Google क्लाउड AI मशीन लर्निंग टुल प्रदान करता है, जो पेशेवरों को AI मॉडल बनाने में सक्षम बनाता है जो व्यावसायिक अंतर्दृष्टि और विकास को बढ़ावा देता है। आईबीएम का एआई प्लेटफॉर्म पेशेवरों को डेटा विश्लेषण, विजुअलाइजेशन और निर्णय लेने में सशक्त बनाता हैविभिन्न प्रकार के उपकरण प्रदान करता है। कंप्यूटर विजन उपकरण TensorFlow और OpenCV जैसे कंप्यूटर विजन टूल पेशेवरों को AI मॉडल लागू करने में सक्षम बनाते हैं जो विजुअल डेटा की व्याख्या करते हैं और उसका अर्थ निकालते हैं। चैटबॉट्स डायलॉगफ्लो और बॉटप्रेस जैसे चैटबॉट पेशेवरों को संवादात्मक इंटरफेस बनाने में सक्षम बनाते हैं जो ग्राहक जुड़ाव और समर्थन को बढ़ाते हैं। परिणामस्वरूप, एआई उपकरण पेशेवर दुनिया में क्रांति ला रहे हैं और हमें अधिक स्मार्ट, तेज और अधिक कुशलता से काम करने में सक्षम बना रहे हैं।हैं इन उपकरणों को अपनाकर पेशेवर नए अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। एआई वार्तालाप स्टार्टर टूल कुछ कंपनियां ऐसी भी हैं जहां रिक्तियों के लिए कोई पारंपरिक विज्ञापन जारी नहीं किया जाता है। इसे हिडन जॉब मार्केट कहा जाता है. ऐसी नौकरी की जानकारी के लिए नेटवर्किंग काफी मददगार है। इसके अलावा, लिंक्डइन का एआई वार्तालाप स्टार्टर टूल संबंधित क्षेत्रों में पेशेवरों से जुड़ने और आपके कौशल को उजागर करने में मदद करता है। LinkedIn के अलावा Taplio और Engage ऐसे AI टूल हैं, जोलिंक्डइन के साथ मिलकर आपकी नेटवर्किंग बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

-विजयगर्ग

मोदी सरकार के 10 साल में चार गुना बढ़ी खाद्य सब्सिडी, मुफ्त राशन के लिए बफर स्टॉक पर बढ़ा खर्च

परिवहन विशेष न्यूज

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि 2014 से 2024 के दौरान दस वर्ष में खाद्य सब्सिडी में चार गुना की वृद्धि हुई है। 2004 से 2014 के बीच किसानों को सिर्फ पांच लाख 15 हजार करोड़ की खाद्य सब्सिडी दी गई थी जो पिछले एक दशक के दौरान बढ़कर 21 लाख 56 हजार करोड़ हो गई है।

नई दिल्ली। किसानों से फसल खरीद एवं सार्वजिनक जन वितरण के महत्व को समझते हुए केंद्र सरकार ने एफसीआई को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए एफसीआई में दस हजार 700 करोड़ रुपये की इक्विटी का निवेश किया जाएगा।

देश के 140 करोड़ लोगों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में एफसीआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर अनाज की खरीद, उसका भंडारण एवं मूल्यों पर नियंत्रण के साथ कल्याणकारी योजना के तहत खाद्यान्नों के वितरण का प्रबंध भी करता है।

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि खाद्यान्न की खरीद प्रक्रिया में एफसीआई की मुख्य भूमिका है। पिछले एक दशक में खाद्यान्नों की खरीद एवं एमएसपी में बड़ी वृद्धि हुई है। इस निर्णय का उद्देश्य कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना और किसानों का कल्याण सुनिश्चित करना है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अगर हम 2014-2024 के दस वर्ष से एनडीए सरकार के दस वर्ष की तुलना करें तो खाद्य सब्सिडी में चार गुना की वृद्धि हुई है। 2004 से 2014 के बीच किसानों को सिर्फ पांच लाख 15 हजार करोड़ की खाद्य सब्सिडी दी गई थी, जो पिछले एक दशक के दौरान



बढ़कर 21 लाख 56 हजार करोड़ हो गया है। अगले पांच वर्षों तक 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराने में बफर स्टाक की बड़ी भूमिका है। पिछले पांच वर्षों के बफर स्टॉक को देखा जाए तो औसतन 80 हजार करोड़ रुपये का रहा है। इस वर्ष 31 मार्च को 98 हजार करोड़ 230 करोड़ रुपये का स्टाक था। एफसीआई की यात्रा 1964 में मात्र सौ करोड़ रुपये की अधिकृत पूंजी और चार

करोड़ रुपये की इक्विटी के साथ शुरू हुई थी। धीरे-धीरे दक्षता के साथ कृषि क्षेत्र में इसकी जरूरत भी बढ़ती गई, जिसका परिणाम हुआ कि फरवरी 2023 में इसकी अधिकृत पूंजी 11 हजार करोड़ से बढ़कर 21 हजार करोड़ रुपये हो गई। वित्तीय वर्ष 2019-20 में इसकी इक्विटी 4,496 करोड़ रुपये थी, जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 10,157 करोड़ रुपये हो गई। अब केंद्र ने एफसीआई के लिए 10,700 करोड़ रुपये की इक्विटी को मंजूरी दी है, जो इसे आर्थिक रूप से सशक्त करेगी और परिवर्तन की पहलों को बढ़ावा देगी।

इक्विटी का निवेश एफसीआई की परिचालन क्षमता को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे वह अपनी जिम्मेवारियों को प्रभावी तरीके से पूरा कर सकता है। फंड की कमी को पूरा करने के लिए एफसीआई को अल्पकालिक उधार का सहारा लेना पड़ता है। इस निवेश से उसे ब्याज का बोझ कम करने में मदद मिलेगी और अंततः केंद्र सरकार की सब्सिडी में कम होगी।

एलोन मस्क ने ट्रंप के लिए तन-मन-धन झोंका, बदले में अब नफा होगा या नुकसान?

नई दिल्ली। 'अगर ट्रंप हार गए, तो मैं बर्बाद हो जाऊंगा... आपको क्या लगता है कि मुझे जेल की सजा कितनी लंबी होगी?' अमेरिकी राजनीतिक टिप्पणीकार टकर कार्लसन को दिए इंटरव्यू में यह बात कही थी अमेरिकी अरबपित और टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने।

किसी भी सौदे का पहला उसूल यह होता है कि दांव लगाने से पहले नफा-नुकसान का पूरा मोलभाव कर लिया जाए। यह बात नौसिखिये कारोबारियों को भी पता होती है। ऐसे में अगर एलन मस्क जैसा तजुर्बेकार कारोबारी कोई बड़ा दांव लगाता है, वह व्यापार से हटकर सियायत में, तो उसके कई मायने निकलते हैं।

ट्रंप को जिताने के लिए मस्क पूरी शिद्दत से जुटे थे। उन्होंने तन-मन-धन से ट्रंप का पूरा सहयोग किया। ट्रंप ने भी जीतने का मस्क का खासतौर पर जिक्र किया और उन्हें जीनियस स्टार बताया। अब सवाल यह उठता है कि ट्रंप के लिए तन-मन-धन झोंकने को वाले मस्क को उनकी जीत से क्या फायदा और नुकसान होगा।

मस्कनेट्रंपकेलिएक्याकिया?

दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक कार मेकर टेस्ला के मालिक ने मीजूदा राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को जिताने के लिए अपना सबकुछ झोंक दिया। इसकी शुरुआत उन्होंने करीब दो साल पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर (अब एक्स) को खरीद की। अब सियासी जानकार भी मान रहे हैं कि इसने ट्रंप के पक्ष में माहौल में काफी अहम भूमिका निभाई। दरअसल, 2021 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप हार गए। उन्होंने फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आरोप लगाया कि उन्हें हराने के लिए धांधली की गई है। इन दोनों प्लेटफॉर्म ने भड़काऊ भाषण देने के लिए ट्रंप के अकाउंट को बैन कर दिया। फिर मस्क ने ट्विटर खरीदकर ट्रंप के अकाउंट से बैन हटाया। इससे ट्रंप और उनके समर्थकों को मतदाताओं के बड़े वर्ग तक पहुंचने में मदद मिली।

ट्रंपकेलिएनिवेश पर 12,761 फीसदी रिटर्न

अमेरिकी चुनाव आयोग का डेटा बताता है कि एलन मस्क ने ट्रंप के सपोर्ट में बनी राजनीतिक समिति को करीब 119 मिलियन डॉलर का डोनेशन दिया। वह ट्रंप के साथ रैलियों में दिखाई दिए हैं और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्हें प्रमोट करने वाला इंटरव्यू भी लिया। वह अपने पोस्ट में लगातार ट्रंप की प्रतिद्वंद्वी और डेमोक्रैटिक पार्टी उम्मीदवार कमला हैरिस पर निशाना भी साधते रहे।

ट्रंप के जीतने पर मस्क उनका इनाम भी मिला। टेस्ला के शेयर बुधवार को 15 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। मस्क के पास टेस्ला के 411 मिलियन शेयर हैं। उनका 15 बिलियन डॉलर से अधिक बढ़ गया। यह ट्रंप के लिए डोनेट किए गए 119 मिलियन डॉलर पर 12,761 फीसदी रिटर्न के बराबर है। टेस्ला के शेयर इस साल अब तक सिर्फ 1 फीसदी बढ़े थे, ऐसे में जाहिर हैं कि मस्क का निवेश बेमानी

ट्रंपकी जीत से टेस्ला को नुकसान?

ट्रंप की जीत से मस्क को भले ही तात्कालिक फायदा हुआ हो, लेकिन उनकी टेस्ला के लिए जोखिम भी बढ़े हैं। दरअसल, ट्रंप इलेक्ट्रिक गाड़ियों के धुर-विरोधी माने जाते हैं। उनका दावा है कि इलेक्ट्रिक गाड़ियां काफी महंगी हैं, उनकी रेंज सीमित है, और वे नौकिरियों के साथ अमेरिकी ऑटो इंडस्ट्री को बर्बाद कर देंगे। वहीं, जो बाइडेन सरकार की नीतियां इलेक्ट्रिक व्हीकल के पक्ष में थीं।

बाइडेन सरकार ने ईवी मैन्युफैक्चरिंग के अरबों डॉलर का लोन दिया। अगर कमला हैरिस जीत जातीं, तो ये नीतियां जाहिर तौर पर जारी रहतीं। हालांकि, अगर ट्रंप अपने वादे के मुताबिक इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए सरकारी मदद खत्म करते हैं, तो उससे टेस्ला को ज्यादा नुकसान होने की आशंका नहीं है। टेस्ला अब जिस मुकाम पर पहुंच गई है, वहां पर उसे सरकारी मदद की दरकार वैसे भी

क्याएलनमस्कमंत्रीबनेंगे?

एलन मस्क खुलकर डोनाल्ड ट्रंप का एडवाइजर बनने की ख्वाहिश जता चुके हैं। उन्होंने ट्रंप के लिए एक रैली के दौरान अमेरिका के बढ़ते कर्ज पर चिंता जताई थी। मस्क ने कहा था, ₹जनता का पैसा बर्बाद हो रहा है। मैं अमेरिका के बजट में से कम से कम 2 ट्रिलियन डॉलर बचा सकता हूं ।₹ अमेरिका का कर्ज 35.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। सरकार सालाना 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा केवल ब्याज चुकाने में खर्च कर रही है। उन्होंने इसे फाइनेंशियल इमरजेंसी बताते हुए तत्काल समाधान की बात कही थी।

खुल गया ACME सोलर का IPO, पैसे लगाने से पहले जानिए पूरी डिटेल

ACME Solar IPO News ACME सोलर होत्डिंग्स लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर (IPO) आज यानी 6 नवंबर से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। इसमें निवेशक 8 नवंबर तक पैसा लगा सकेंगे। इसकी शेयर मार्केट में लिस्टिंग 13 नवंबर को

नई दिल्ली I ACME सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर (IPO) आज यानी 6 नवंबर से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। इसमें निवेशक 8 नवंबर तक पैसा लगा सकेंगे। इसकी शेयर मार्केट में लिस्टिंग 13 नवंबर को होगी। आइए जानते हैं कि यह कंपनी क्या करती है और इसके आईपीओ में पैसा लगाना सही रहेगा या नहीं।

पैसा लगाना सही रहेगा या नहीं।
ACME सोलर आईपीओ
की डिटेल

ACME सोलर होल्डिंग्स आईपीओ से 2,900 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। यह 2,395 करोड़ रुपये की फ्रेश इक्विटी और 505 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल है। फ्रेश इक्विटी के पैसे कंपनी का कारोबार बढ़ाने के लिए खर्च होंगे। वहीं, ऑफर फॉर सेल के पैसे मौजूदा शेयरहोल्डर्स के खाते में जाएंगे, जो आईपीओ में अपनी हिस्सेदारी बेचने वाले हैं।

आईपीओ में कितना कर सकते हैं निवेश

ACME सोलर होल्डिंग्स ने अपने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 275-289 रुपये प्रति शेयर तय किया है। रिटेल इन्वेस्टर्स को मिनिमम एक लॉट यानी 51 शेयरों के लिए बोली लगानी होगी। IPO के अपर प्राइस बैंड यानी 289 रुपये के हिसाब से 1 लॉट के लिए 14,739 इन्वेस्ट करने होंगे।

रिटेल इन्वेस्टर्स के कितना हिस्सारिजर्व

ACME सोलर होल्डिंग्स के इश्यू का 10 फीसदी हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व है। आईपीओ का बड़ा हिस्सा यानी 75 फीसदी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) के लिए रिजर्व है। बाकी का 15 फीसदी हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (NII) के लिए रिजर्व है। ACME सोलर आईपीओ का जीएमपी

ACME Solar Holdings IPO को ग्रे मार्केट में काफी सुस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। इसका जीएमपी यानी ग्रे मार्केट प्रीमियम फिलहाल 10 रुपये है, जो 3 फीसदी के मामूली लिस्टिंग गेन का संकेत देता है। ग्रे मार्केट एक अन-आधिकारिक बाजार है, जहां लिस्टिंग से पहले शेयरों की खरीद और बिक्री होती है।

ACME सोलर के बुक रनिंग लीड मैनेजर

ACME सोलर होल्डिंग्स आईपीओ के बुक रिनंग लीड मैनेजर वामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड हैं। केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इस आईपीओ के लिए रिजस्ट्रार है।

ट्रंप की जीत के बाद भी शेयर मार्केट में हाहाकार, क्या ये पांच कारण हैं जिम्मेदार?

परिवहन विशेष न्यूज

Stock Market Crash अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स दोबारा 80 हजार के स्तर के पार पहुंच गया था। लेकिन गुरुवार को भारतीय बाजार ने एक दिन पहले की पूरी बढ़त गंवा दी। सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 1–1 फीसदी की गिरावट आई है। आइए इसकी वजह जानते हैं।...

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत से बुधवार को भारतीय शेयर बाजार काफी उत्साहित था। दोनों प्रमुख सूचकांक यानी सेंसेक्स और निफ्टी में 1-1 फीसदी से अधिक का उछाल भी दिखा। सेसेंक्स तो दोबारा 80 हजार अंकों के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार पहुंच गया था।

लेकिन, गुरुवार को भारतीय बाजार ने एक दिन पहले की पूरी बढ़त गंवा दी। बुधवार को अमेरिकी बाजार में रिकॉर्ड तेजी के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी में 1-1 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। आइए जानते हैं कि भारतीय स्टॉक मार्केट में इस भारी गिरावट की वजह क्या



है।

रुपये का रिकॉर्ड कमजोर होना डॉलर के मुकाबले भारतीय करेंसी रुपया लगातार कमजोर हो रही है। यह 84.35 रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है। इस दबाव का असर शेयर बाजार पर दिख रहा है, क्योंकि रुपये में कमजोरी का सीधा असर कंपनियों की कमाई पर भी दिखेगा। अगर रुपये में कमजोरी का सिलसिला बना रहता है, तो भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ भी प्रभावित हो सकती है।

फेड रिजर्व के फैसले का इंतजार

अमेरिकी फेडरल ब्याज आज यानी 7 नवंबर को नीतिगत ब्याज दरों पर फैसला भी करने वाला है। पिछली मीटिंग में उसने ब्याज दरों में आधा फीसदी की भारी कटौती की थी। हालांकि, अब इकोनॉमिक इंडिकेटर अमेरिकी अर्थव्यवस्था के बेहतर होने का संकेत दे रहे हैं। ऐसे में निवेशकों के मन में उलझन है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों पर किस तरह का

क्रूड ऑयल में आया उछाल डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान वादा किया था कि अगर वह राष्ट्रपति बनते हैं, तो

फैसला लेगा।

ईरान के ऑयल प्रोडक्शन की लिमिट घटा देंगे, ताकि उसकी आमदनी कम हो और वह आतंकवाद की फंडिंग न कर पाए। अब ट्रंप के जीतने के बाद आशंका है कि क्रूड ऑयल का प्रोडक्शन और सप्लाई बाधित हो सकती है। इससे क्रूड की कीमतों में अस्थिरता और निवेशकों की चिंता बढ़ी है।

FII की रिकॉर्ड बिकवाली

फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (FII) की भारतीय शेयर बाजार से निकासी लगातार जारी है। अक्टूबर में विदेशी निवेशकों भारतीय बाजार से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक निकाले थे। नवंबर में भी उनकी बिकवाली जारी है। इससे भारतीय बाजार को ठीक से संभलने का मौका नहीं मिल पा रहा है। एफआईआई ने बुधवार को भी 4,445.59 करोड़ रुपये के इक्विटी बेचे थे।

कंपनियों के कमजोर नतीजे

देश की अधिकतर कंपनियों का दूसरी तिमाही में वित्तीय प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 48 फीसदी कंपनियां अपने अनिंग गाइडेंस को पूरा करने में नाकाम रहीं। ज्यादातर कंपनियों का वैल्यूएशन भी अधिक है। इससे निवेशक बिकवाली और मुनाफावसूली पर ज्यादा जोर दे रहे हैं।

भारत के लिए कैसा था ट्रंप का पहला कार्यकाल; H-1B वीजा और ट्रेड मामले में क्या थी पॉलिसी?

परिवहन विशेष न्यूज

India-US relations
अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में
डोनाल्ड ट्रंप की जीत के साथ
उनकी नीतियों को लेकर चर्चा
हो रही है। वह चुनावी अभियान
में अमेरिका फर्स्ट की बात करते
हैं। पहले कार्यकाल में भारत के
साथ दोस्ताना रुख के बावजूद
ट्रंप H-1B वीजा और ट्रंड
पॉलिसी को लेकर काफी सख्त
थे। आइए समझते हैं कि उनका
दूसरा कार्यकाल कैसा रहने
वाला है।

नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप का 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' नारे के साथ वापस सत्ता में आए हैं। इससे स्पष्ट है कि उनकी नीतियां इसी नारे के इर्द-गिर्द रहेंगी। लेकिन, सबसे अहम सवाल यह रहेगा कि उनकी अगुआई में भारत के साथ अमेरिका के ताल्लुकात कैसे रहेंगे। साथ ही, पहले कार्यकाल में ट्रंप का भारत के प्रति रवैया कैसा था। उन्होंने H-1B वीजा और ट्रेड के मामले कैसी नीतियां अपनाई थी?

क्या होता है H-1B वीजा ?
H-1B वीजा प्रोग्नाम का मकसद
अमेरिका में कुशल श्रिमिकों की कमी को दूर
करना है। यह उन गैर-आप्रवासी लोगों को
मिलता है, जो काम करने के इरादे से
अमेरिका जाते हैं। उन्हें ग्रीन कार्ड मिलता है।
H-1B वीजा 6 साल के लिए वैध होता है।
एच-1बी वीजाधारक शख्स अपने बच्चों
और पत्नी के साथ अमेरिका में रह सकता है।

पायदाया जुफ्टा या वह अमेरिका की नागरिकता के लिए भी अप्लाई कर सकता है। अमेरिकी कंपनियों की डिमांड चलते

भारत को

ट्प सरकार

भारत के आईटी प्रोफेशनल को सबसे अधिक H-1B वीजा मिलता है। अमेरिकी सरकार का डेटा भी बताता है कि पिछले कुछ साल में H-1B वीजाधारकों में सबसे ज्यादा भारतीय हैं। वित्त वर्ष 2023 में कुल (3.86 लाख) H-1B स्वीकृत हुए। इसमें से 72.3 फीसदी यानी 2.79 लाख भारतीयों के पास थीं। चीनी कर्मचारी दूसरे स्थान पर थे, जिन्हें कुल H-1B वीजा का 11.7 फीसदी मिला था।

H-1B वीजा पर सख्त रुख डोनाल्ड ट्रंप का बतौर राष्ट्रपति पहले कार्यकाल में H-1B पर काफी सख्त रुख रहा।ट्रंप का मानना है कि अमेरिकी नौकरियां दूसरे देशों के नागरिकों को मिल रही हैं। उन्होंने H-1B वीजा के लिए योग्यता के पैमाने को सख्त कर दिया था। वीजा मिलने में लगाने वाला समय भी बढ़ गया था। साथ ही, वीजा एप्लिकेशन रिजेक्ट होने की दर भी बढ़ी थी।

ट्रंप प्रशासन के पहले कार्यकाल के दौरान H-1B आवेदनों की अस्वीकृति दर में वृद्धि हुई। यह 2016 में 6 फीसदी से बढ़कर 2018 में 24 फीसदी हो गई। हालांकि, फिर इसमें कुछ गिरावट आई। यह 2019 में घटकर 21 फीसदी और 2020 में 13 फीसदी हो गई। ट्रंप के सत्ता से बाहर होने के बाद जो बाइडेन प्रशासन ने ट्रंप की पाबंदियों को रिन्यू नहीं किया। इससे 2021 में घटकर 4 फीसदी और 2022 में 2 फीसदी पर आ गई।

भारत के प्रति ट्रेड पॉलिसी डोनाल्ड ट्रंप का मानना है कि चीन और ब्राजील जैसे देशों के साथ भारत भी टैरिफ सिस्टम का नाजायज फायदा उठाते हैं। उन्होंने पिछले ही महीने टैरिफ मुद्दे को लेकर भारत, चीन और ब्राजील पर निशाना साधा था। ट्रंप ने पहले कार्यकाल में भारत से मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा भी वापस ले लिया था। यह भारत को रियायती टैरिफ पर अमेरिका में चीजें निर्यात कर पाता था।

ट्रंप 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के हिमायती हैं। ऐसे में वह भारतीय वस्तुओं के निर्यात पर शुल्क बढ़ा सकते हैं। इसका भारत के एक्सपोर्ट पर बुरा असर पड़ता है। इससे फार्मा, ऑटो, वाइन, टेक्सटाइल, एग्रो-केमिकल और मसाला कंपनियों को झटका लग सकता है, जो बड़े पैमाने पर अमेरिका को निर्यात करती हैं। हालांक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्रंप के साथ बेहतर रिश्ते हैं, जिसका भारत को कुछ फायदा मिल सकता

सभी शहरों के लिए अपडेट हुए पेट्रोल-डीजल के दाम, चेक करें लेटेस्ट फ्यूल प्राइस



परिवहन विशेष न्यूज

Petrol-Diesel Latest Price सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 7 नवंबर (गुरुवार) के लिए पेट्रोल-डीजल के दाम रिवाइज कर दिए हैं। हर रोज सुबह 6 बजे इनकी कीमत अपडेट होती है। यह सिलसिला 2017 से ही जारी है। ऐसे में आपको लेटेस्ट रेट चेक करने के बाद ही टंकी फूल करानी चाहिए।

नईदिल्ली।इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) जैसी सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियां रोजाना सुबह 6 पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अपडेट करती हैं। यह सिलसिला साल 2017 से चल रहा है।

सरकारी तेल कंपनियों ने आज यानी 7 नवंबर 2024 (गुरुवार) के लिए भी फ्यूल प्राइस अपडेट कर दिया है। आज भी सभी शहरों में तेल के दाम जस के तस बने हुए हैं। इसका मतलब है कि आप पुरानी प्राइस ही पेट्रोल और डीजल खरीद सकते हैं। हालांकि, शहरों के हिसाब से कीमतों में अंतर है।

> क्रूड ऑयल की कीमतों में उछाल अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप के जीतने के

बाद क्रूड ऑयल की कीमतों में थोड़ा उछाल आया है। बेंचमार्क Brent crude price 0.79 फीसदी बढ़कर 75.51 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सपर्ट का मानना है कि ट्रंप जीतने के बाद ईरान पर प्रतिबंध सख्त कर सकते हैं। इससे क्रूड ऑयल की सप्लाई बाधित हो सकती है। सभी शहर में अलग होती फ्यूल प्राइस

देश के महानगरों और बाकी शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत अलग-अलग होती है। इसकी वजह वैट (Value Added Tax) है। दरअसल, फ्यूल प्राइस पर जीएसटी की जगह वैट लगाया जाता है। इसकी दरें राज्य सरकार तय करती है। ऐसे में हर राज्य में वैट की दर अलग होती है, जिस वजह से सभी शहरों में इसके दाम भी अलग होती हैं।

महानगरों में पेट्रोल-डीजलकेदाम

• दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।

आर डाजल का कामत 87.82 रुपय प्रात लाटर है। • मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये प्रति लीटर

और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर है।

• कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

• चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.85 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.44 रुपये प्रति लीटर है।

भारतीय कानूनों में आतंकवाद व भ्रष्टाचार को एक ही परिभाषा के दायरे में लाना समय की मांग

शासकीय व प्रशासकीय तंत्र में संतरी से मंत्री तक चपरासी से उच्च अफसर तक अगर त्रैमासकीय भ्रष्टाचार विरोधी सम्मेलन करें तो जीरो टॉलरेंस की गारंटी-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आतंकवाद व भ्रष्टाचार दुनियाँ के हर देश को दीमक की तरह चाटकर बर्बादी के आलम तक पहुंचा रहे हैं,इसलिए हर देश इस महामारी से ग्रस्त है परंतु मेरा मानना है कि यह बात हर किसी के मन में होगी कि बिना किसी उच्चस्तरीय सहयोगसे यह दोनों बीमारियां पनपेगी नहीं, जैसे कोविड -19 को मिटाने एक वैक्सीन का सहारा लिया गया और उसी तरह आतंकवाद भ्रष्टाचार को समाप्त करने उसकी जड़ तक जाना होगा, जो ऐसा कर रहे हैं वही लोग आपस में त्रैमासिक सम्मेलन कर भ्रष्टाचार बिल्कुल नहीं लेने का हाल ढूंढे, तो इस महामारी को जीरो टॉलरेंस तक पहुंचा जा सकता है,जो भ्रष्टाचार हर जगह, एक चपरासी से लेकर बड़े ऑफिसर तक वह संत्री से लेकर मंत्री तक होने को कहा जाता है, हालांकि इसमें कुछ अपवाद भी हो सकते हैं, अगर यही आपस में त्रैमासिक सम्मेलन कर इसे जीरो टॉलरेंस तक पहुंचाने का प्रण ले तो भ्रष्टाचार देने वाले की हिम्मत नहीं होगी क्योंकि 10 से 50 पेसेंट तक कमीशन चलने के आरोप जन सभाओं में नेता लोग ही लगाते रहते हैं,यह सभी जानते हैं। जैसे अभी आतंकवाद विरोधी सम्मेलन 7-8 नवंबर 2024 में सभी विशेषज्ञ बैठकर विचारविमर्श कर रहे हैं वैसे ही भ्रष्टाचार पर भी इस तरह का सम्मेलन होना चाहिए। मेरा मानना है कि आतंकवाद व भ्रष्टाचार को एक ही परिभाषा के दायरे में लाना जरूरी हो गया है यदि दोनों समाप्त हो जाएंगे तो भारत एक बार फिर त्रेतायुग की ओर चल पड़ेगा और सोने की चिडिया कहलाएगा।चॅंकि आतंकवाद विरोधी सम्मेलन 7-8 नवंबर 2024 को शुरू हो गया है इसलिए मेरा मानना है कि इसी तर्ज पर भ्रष्टाचार विरोधी सम्मेलन भी रखना चाहिए जो त्रैमासिक स्तरपर हो, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध

जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आतंकवाद विरोधी सम्मेलन 7-8 नवंबर 2024 सराहनीय है, परंतु अब भ्रष्टाचार को आतंकवाद का पर्यायी मानना अत्यंत जरूरी हो

www.newsparivahan.com

साथियों बात अगर हम नई दिल्ली में शुरू आतंकवाद विरोधी सम्मेलन 7-8 नवंबर 2024 की करें तो एनआईए के तत्वावधान में गुरुवार से दिल्ली में दो दिवसीय आतंकवाद विरोधी सम्मेलन शुरू हो गया है, केंद्रीय गृह मंत्रीद्वारा सम्मेलन के उद्घाटनक़र संबोधन।सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले मुद्दों और आतंकवाद से उत्पन्न खतरों पर विचारविमर्श हो रहा है।पीएम के नेतृत्व में भारत सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गयी है। सरकार आतंकवाद की बुराई को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध है ।वार्षिक सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले मुद्दों और आतंकवाद से उत्पन्न खतरों पर विचार-विमर्श हो रहा है। दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान आतंकवाद-निरोधी जांच में अभियोजन और बदल रहे कानूनी ढांच पर भी चर्चा हो रही है।अनुभवों और बैस्ट प्रैक्टिसिस को साझा किया जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री ने ने खुद सोशल साइट एक्स पर ट्वीट कर इस सम्मेलन के बारे में बताया कि सरकार अपनी शुन्य सहनशीलता की नीति के साथ आतंक मुक्त भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लिखा था कि दो दिवसीय आतंकवाद विरोधी सम्मेलन भारत के सुरक्षा गढ़ को मजबूत करने के लिए एजेंसियों के बीच समन्वय को और बढाएगा।उभरती प्रौद्योगिकियों से संबंधित चनौतियों और अवसरों से जुड़े मुद्दों पर भी इस सम्मेलन के दौरान चर्चा होगी,इसके साथ ही इस सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय कानूनी सहयोग और देशभर में विभिन्न आतंकवाद-निरोधी गतिविधियों पर भी चर्चा होगी।सम्मेलन में आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने की रणनीतियों सहित विभिन्न महत्वपर्ण मामलों भी विचार-विमर्श होगा।सम्मेलन का मुख्य फोकस संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण की भावना में आतंकवाद के खतरे के



खिलाफ समन्वित कार्रवाई करना है और इसके लिए चैनल स्थापित करके विभिन्न हितधारकों के बीच तालमेल विकसित करना है।अंतर्राष्ट्रीय कानूनी सहयोग और रणनीतियों पर की जाएगी चर्चा।एनआईए द्वारा आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी, कानून, फोरेंसिक और प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ आतंकवाद से निपटने के लिए कानूनी ढांचे, अभियोजन चुनौतियों और उभरती प्रौद्योगिकियों की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए। चर्चाओं में भारत भर में सक्रिय आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानूनी सहयोग और रणनीतियों पर भी चर्चा की ।हितधारकों के बीच तालमेल विकसित करना है उद्देश्य गृह मंत्रालय ने कहा कि आतंकवाद विरोधी सम्मेलन-2024 का मुख्य फोकस संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण की भावना में आतंकवाद के खतरे के खिलाफ समन्वित कार्रवाई के लिए चैनल स्थापित करके विभिन्न हितधारकों के बीच तालमेल विकसित करना है। बैठक का उद्देश्य भविष्य की नीति निर्माण के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत करना भी है। दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न महत्वपूर्ण मामलों पर विचार-विमर्श और चर्चाएं केंद्रित होंगी।जिनमें आतंकवाद-रोधी जांच में अभियोजन और कानूनी ढांचा विकसित करना,

अनुभवों और अच्छे तरीकों को साझा करना, उभरती प्रौद्योगिकियों से संबंधित चुनौतियां और अवसर,अंतर्राष्ट्रीय कानूनी सहयोग और भारत भर में विभिन्न आतंकवाद-रोधी थिएटरों में आतंकीपारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने की

रणनीतियां शामिल हैं।इस सम्मेलन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, आतंकवाद से निपटने से संबंधित मुद्दों से निपटने वाली केंद्रीय एजेंसियों और विभागों के अधिकारी तथा कानून, फोरेंसिक और प्रौद्योगिकी जैसे संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञ भाग लिए। गृह मंत्रालय ने कहा कि वार्षिक सम्मेलन पिछले कुछ वर्षों में परिचालन बलों, तकनीकी, कानुनी और फोरेंसिक विशेषज्ञों तथा आतंकवाद से निपटने में लगी एजेंसियों के लिए एक बैठक बिंदु के रूप में उभरा है, जहां राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले मुद्दों और आतंकवाद से उत्पन्न खतरों पर विचारविमर्श किया जाता है।

साथियों बात अगर हम आतंकवाद व भ्रष्टाचार को एक ही परिभाषा के दायरे में लाने की करें तो, मेरा मानना है कि अब समय आ गया है कि इसका क्रियान्वयन शीघ्र तात्कालिक किया जाए, जिसकी अभी से सीधे रणनीति बनाकर टॉपअप से बॉटमअप तक व 747 जिलों से 5410 से अधिक तहसीलों तक पैनी नजर रखकर ऐसा जाल बिछाया जाए,कि एक चपरासी भी 10 रुपए की

रिश्वत लेने से डरे ! जिस तरह से माननीय गहमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ बॉडी लैंग्वेज दिखाते हैं वह अब धरातल पर तात्कालिक लाना जरूरी है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार अर्थव्यवस्था को खोखला करने का सटीक कारण बन सकता है,जिसे हमें शीघ्र जड़ से काटकर फेंकना है, क्योंकि हमें अब जल्द 5 वीं से 3री अर्थव्यवस्था पर आना है तो. सबसे बड़ी बाधा भ्रष्टाचार को जड़ से कटकर फेंकना होगा, जिसकी जवाबदेही हर शासकीय कर्मचारी व जनता को एक साथ उठना होगा,अगर भ्रष्टाचार समाप्त होगा तो, भारत फिर सोने की चिडिया बन जाएगा, यह स्वप्न जरूर लगता है परंतु मुझे पूरा विश्वास है कि यदि माननीय गृहमंत्री भ्रष्टाचार्यों को उल्टा लटका कर सीधा करने वाले संबोधन को धरातल पर प्रैक्टिकली शीघ्र लाएंगे तो इसकी गाज एक राज्य के कुछ जिलों में पड़ेगी, तो बाकी जिले अपने आप ठीक हो जाएंगे। चूंकि भारत को विश्व की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनाने, भ्रष्टाचार पर तात्कालिक सख़्ती से कदम उठाना अत्यंत जरूरी हो गया है।

साथियों बात अगर हम भारत को भ्रष्टाचार मुक्त करने की करें तो,नए भारत में एक बात को प्राथमिकता देना तात्कालिक अनिवार्य है। वह है भ्रष्टाचारको जीरो सहिष्णुता में लाना ! क्योंकि यही वह कड़ी है जो प्राथमिकता से सभी योजनाओं, नीतियों और लक्ष्यों को बाधित कर देती है, साथियों जो विकास की योजनाएं चलती है उसमें एक छोटी टेबल से लेकर अंतिम मुख्य टेबल तक का रोल होता है। एक आम आदमी का काम भी एक छोटी टेबल से लेकर मुख्य टेबल तक होता है।परंतु इस बीच में भ्रष्टाचार का दीमक मलाई को चट कर जाता है जिसका दष्परिणाम आम आदमी को ही भुगतना पड़ता है,पूरा बोझ इमानदार टैक्सपेयर पर पड़ता है,इसलिए इस भ्रष्टाचार रूपी दीमक को प्रशासनिक सख्ती, पारदर्शी व्यवस्था और नागरिकों की मख्य सहभागिता रूपी दवाई से मिटाने में आसानी होगी। हमारे कुछ टेबल वाले अपवाद साथियों को भी सोचना होगा कि, भ्रष्टाचार के नशीले अहसास में रास्ते गलत पकड़ लिये और इसीलिये भ्रष्टाचार की भीड़ में हमारे साथ गलत

साथी, संस्कार, सलाह, सहयोग जुड़ते गये। जब सभी कुछ गलत हो तो भला उसका जोड़, बाकी, गुणा या भाग का फल सही कैसे आएगा ? तभी भ्रष्टाचार से एक बेहतर हमें अपने परिवार की दुनिया बनाने के प्रयासों के रास्ते में भारी रुकावट पैदा हो रही है, इसका कारण है खोटी कमाई। इसीलिए हम नए भारत, आत्मनिर्भर, भारत 5 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था का भारत बनाने के लिए इस दीमक की बीमारी पर योजना बद्ध तरीके से रणनीतिक रोडमैप बनाकर काम करना होगा ताकि भ्रष्टाचारकी शुन्य सहिष्णुता हो सके।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार समाप्त करने

पर काम करने की करें तो शासन प्रशासन इस दिशा में अनेक योजनाएं, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 में 30 सालों के बाद संशोधन कर नए प्रावधान शामिल कर भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 कर उनमें अनेक प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिसमें ऐसी कार्रवाई में व्यक्तिगत और कारपोरेट संस्थानों के लिए भी प्रभावी रोकथाम की व्यवस्था की गई है। परंतु मेरा मानना है कि उसके बाद भी यह दीमक अपनी खुराक बराबर निकाल ही रहा है । साथियों अब समय आ गया है कि इस दीमक के लीकेजेस ढूंढकर उनकी ख़ुराक बंद करने की व्यवस्था की जाए, जो नए और आत्मनिर्भर भारत की नीव के पहियों में से एक साबित होगी।

अतः अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय कानूनों में आतंकवाद व भ्रष्टाचार को एक ही परिभाषा के दायरे में लाना समय की मांग।आतंकवाद विरोधी सम्मेलन ७-८ नवंबर 2024 सराहनीय परंतु अब भ्रष्टाचार को आतंकवाद का पर्याय मानना अत्यंत जरूरी।शासकीय व प्रशासकीय तंत्र में संतरी से मंत्री तक चपरासी से उच्च अफसर तक अगर त्रैमासकीय भ्रष्टाचार विरोधी सम्मेलन करें तो जीरो टॉलरेंस की गारंटी है।

-संकलनकर्ता लेखक-क्रर विशेषज स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

धर्मेंद्र प्रधान को सुनने हेतु उत्कल ऐसोसिएशन ने लोगों किया आमंत्रित



जमशेदपुर, कभी झारखंड का तीनों सिंहभूम जिला कलिंग यानी उत्कल प्रदेश का हिस्सा रहा, जहां ओडिया भाषा में शिक्षा एवं उत्कलीय संस्कृति संरक्षण बड़ा ही मायने रखता । आगामी कल वृहस्पतिवार को जमशेदपुर में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान उत्कल एसोसिएशन में ओड़िया लोगों को संबोधित करेगें। जमशेदपुर में अन्य लोगों से भी मंत्री प्रधान मिलेंगे ।इस बाबत उत्कल ऐसोसिएशन गोलमुरी, उत्कल समाज, उत्कल बांधव समिति समेत कदमा के सभी लोगों को उनको

ऐसोसिएशन ने उड़िया दुर्गा पूजा समितियों से विशेष रूप से अनुरोध करते हुए कहा है कि लोग आयें एवं कार्यक्रम को सफल बनाएं।

उल्लेखनीय बात यह है कि कभी केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री के रूप में प्रस्तावित विशाल जगन्नाथ मंदिर के लिए झारखंड सरकार द्वारा 2.5 एकड जमीन दान दिलाने में वे सहयोग किये थे । जिसमें धर्मेंद्र प्रधान की प्रमुख भूमिका रही। इसलिए लंबे समय अंतराल पर मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का गर्मजोशी उनका स्वागत होने जा रहा है।

शनिवार, 9 नवम्बर 2024 को उत्तराखंड राज्य स्थापना दिव्स का भव्य कार्यक्रम तेलंगाना राजभवन में

परिवहन विशेष न्यूज

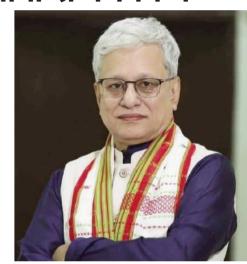
तेलंगाना हैदराबाद स्थित राजभवन (गवर्नर हाउस) सोमाजीगुड़ा में उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस मनाया जाएगा । कार्यकम १ नवम्बर को शाम 3 बजे से प्रारंभ होगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में तेलांगना के महामहिम राज्यपाल महोदय अपनी गरिमामई उपस्थिति देंगे ।

इस अवसर पर सर्वप्रथम महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन किया जाएगा । तत्पश्चात उत्तराखंड के 11 विद्वान आचार्यों द्वारा वेद पाठ और उत्तराखंड राज्य स्थापना से पूर्व राज्य आंदोलनकारी बलिदानी, शहीदों के याद में 2 मिनट का मौन रखा कर शांति

कार्यकर्म के अगले पड़ाव में देवभूमि उत्तराखंड सेवा संस्थान हैदराबाद, तेलंगाना के अध्यक्ष जयपाल सिंह नयाल सनातनी द्वारा उत्तराखंड राज्य स्थापना और राज्य आंदोलन में बलिदानी आंदोलनकारियों की विस्तार से जानकारी दी जाएगी। उसके बाद महामहिम राज्यपाल महोदय का गरिमामय समभाषण होगा।

यह जानकारी मीडिया को आज कार्यक्रम के संयोजक तथा श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर टस्ट के (चेयरमैन) राजर्षी जयपाल सिंह नयाल सनातनी ने दी ।

कार्यकर्म के अगले भाग में महामहिम राज्यपाल महोदय के सामने पारम्परिक उत्तराखंडी भेष भूषा में उत्तराखंडी लोक गायन, संगीत, लोक नत्य और सामूहिक झोड़ा - चाचरी का रंगारंग कार्यक्रम पूरे 2 घंटे चलेगा । अंत ने महामहिम राज्यपाल महोदय और राज भवन परिवार का आभार कर कार्यक्रम की पूर्णाहुति होगी।



जिंदगी से तो हर कोई लड़ता, शारदा भी लड़ रही थी मौत से! वो जूझ रही थी एक-एक पल! कैंसर जैसी भयानक सौत से। पुरकशिश थी आवाज उनकी, जैसे जलता था दिया ज्योत से।

जिंदगी से तो हर कोई लड़ता, शारदा भी लड रही थी मौत से! अंचल के स्त्री की विरह–वेदना, वो हर लेती थी मन की संवेदना। कर देती थी सबकी व्यथा बखान।

जिंदगी से तो हर कोई लड़ता, शारदा भी लड रही थी मौत से! बनी भोजपुरी संस्कृति का प्रतीक, छट पर्व के उनके हैं गीत सटीक। महापर्व की गहराई को देते हैं उकेर।

जिंदगी से तो हर कोई लडता, शारदा भी लड़ रही थी मौत से! गाया 'सूर्य देवता हो सतवा दिन', सुनते सभी कान लगा हर दिन। 'छटी मैया के घाट घाट घाट घाट', लौट आओगी जोह रहे बाट-बाट।

जिंदगी से तो हर कोई लडता, शारदा भी लड़ रही थी मौत से! वो जूझ रही थी एक-एक पल! कैंसर जैसी भयानक सौत से। सदियों तक गूंजेंगे गीत तुम्हारे। खूब आओगी शारदा यादों में हमारे। (संदर्भः लोकगायिका पद्मश्री शारदा सिन्हा)

संजय एम . तराणेकर

शारदा भी लड़ रही थी मौत से नवीन ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि गरीब आदिवासियों का चावल बंद कर दिया गया है, वे सिर्फ टकुइया खा रहे

भुबनेश्वरः पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने आम टकुआ जवा खाने से मौत का मामला उठाकर सरकार पर निशाना साधा । उन्होंने कहा, हमारी 12 साल की अब बिना किसी कारण गरीब आदिवासी भाई-बहनों का चावल बंद कर दिया है। वे आमटकुआखारहे हैं। दुख की बात है। दो लोगों की मौत हो गई। अन्य का इलाज चल

वहीं बीजेडी सदस्य संग्रह अभियान को लेकर उन्होंने कहा कि अक्टूबर से शुरू हुआ सदस्यता अभियान अच्छा चल रहा है। कई लोग बीजेएम से जुड़ रहे हैं। मैं टीम में सभी का स्वागत करता हूं। युवा छात्र मेरी टीम का भविष्य हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहें। विपक्षकी बदनामी का डटकर जवाब दें।

हमारी सरकार की योजना दूसरों के लिए



योजनाओं को स्वीकार किया है। वोट बैंक बनाना हमारा कभी लक्ष्य नहीं रहा। भाजपा सरकार जनता की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। बीजे ओडिशा नंबर एक टीम है। पिछले चुनाव में हमें ज्यादा वोट मिले थे। नवीन ने कहा कि बीजे लोगों के दिलों में हैं. को बीजेपी सरकार ने जला दिया है। हमारी सरकार द्वारा शुरू की गई विकास योजनाओं ने लोगों को जीने की ताकत दी।अब बिना किसी कारण गरीब आदिवासी

भाई-बहनों का चावल बंद कर दिया है। वे आमटकुआखारहे हैं। दख की बात है। दो लोगों की मौत हो गई। अन्य का इलाज चल रहा है। वहीं बीजेडी सदस्य संग्रह अभियान को लेकर उन्होंने कहा कि अक्टबर से शरू हुआ सदस्यता अभियान अच्छा चल रहा है कई लोगबिजेड़ी से जुड़ रहे हैं। मैं टीम में सभी का स्वागत करता हूं। युवा छात्र मेरी टीम का भविष्य हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहें। विपक्षकी बदनामी का डटकर जवाब दें। हमारी सरकार की योजना दूसरों के लिए आदर्श है। भारत सरकार ने हमारी कई योजनाओं को स्वीकार किया है। वोट बैंक बनाना हमारा कभी लक्ष्य नहीं रहा । भाजपा सरकार जनता की समस्याओं को नजरअंदाजकर रही है। बीजेडी ओडिशा नंबर एक दल है। पिछले चुनाव में हमें ज्यादा वोटमिले थे। नवीन ने कहा कि बीजेडी लोगों केदिलों में हैं।

आदर्शहै। भारत सरकार ने हमारी कई मेट्रो रेल परियोजना दिसंबर 2027 तक पूरी होगी

भवनेश्वर: भवनेश्वर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (बीएमआरसी) बहुप्रतीक्षित मेट्रो रेल परियोजना को तय समय पर पूरा करने की राह पर है। जैसे-जैसे मिट्टी परीक्षण अपने अंतिम चरण में पहुँचता है, यातायात 🔏 प्रवाह का डिजाइन बदल गया है। चूंकि सड़क का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा मिट्टी परीक्षण और कोन गाड़ने के लिए प्रभावित है, इसलिए माधा भवन से रघुनाथपुर जाली तक सड़क को (दोनों तरफ) 2 से 3 मीटर तक चौड़ा किया जा रहा है।वहीं, पहले चरण में रेल का कॉन्सेप्ट जमीन से 13 मीटर ऊपर होगा। हवाई अड्डे से त्रिशुल के रास्ते में, यह अवधारणा राजमहल और जयदेव बिहार फ्लाईओवर और बारंगा आरओबी के ऊपर से गजरेगी। तो जानकारी मिलती है कि दोनों जगहों को उसी अनपात में डिजाइन किया गया है। मेट्रो रेल परियोजना दिसंबर 2027 तक पूरी होने वाली है। इसके लिए बीएमआरसी युद्धकालीन

आधार पर काम करती रहती है। इस मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण को तीन पैकेजों में विभाजित किया गया है। पहला पैकेज कैपिटल हॉस्पिटल से जनपथ होते हुए आचार्य विहार तक है। इसका मतलब है कि चिल्ड्रेन हाउस एजी स्ट्रीट के बजाय कैपिटल हॉस्पिटल स्ट्रीट से आएगा। वहां से राजमहल फ्लाईओवर होते हुए वलबिहार जाएंगे। वहां से यह फ्लाईओवर पार किए बिना आचार्यीबहार की ओर मुड जाएगी। दूसरा पैकेज जयदेव बिहार से सीधे किट चाचा के लिए है। इस अवधारणा को माध्यिका से 13 मीटर ऊपर जाने की योजना है। तीसरा पैकेज नंदनविहार से त्रिशुलेट तक है। इस पैकेज में, बरंगे एआरबी उपरोक्त अवधारणाओं से गुजरेगा। इन तीन पैकेजों के क्रियाशील होने के बाद एकीकरण किया जाएगा। इसके बाद 13 ट्रेनें खरीदी जाएंगी। प्रत्येक ट्रेन में 3 कोच होंगे. हर 10 मिनट पर मेट्रो ट्रेनें उपलब्ध रहेंगी। 13 फीट की ऊंचाई तक चढ़ने के लिए सीडी की व्यवस्था की जाएगी। इन सीढ़ियों के नीचे कैरिजवे वैसे ही चलेगा जैसे अभी चल रहा है। इससे सामान्य यातायात पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बीएमआरसी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है।

स्प्रेल्सधोफोल्बरलाइ<u>जे</u>शनएड विलफेयर एलाइडोट्सर (पंजीकृत)

TOLWA website: www.tolwa.in Email: tolwadelhi@gmail.com bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय: – 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए –4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063 कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-१८,१०२० सेक्टर ५९, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं ३, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-४, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- ११००६३ से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की रिश्चित में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No:- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023